RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com


# यू.पी. ऑब्ज़र्वर
साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 43 सोमवार 20 से 26 जनवरी, 2025 पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3/=

महाकुंभ 2025 में जाने वाले यात्रियों को यदि... ...7

# मन की बात: पीएम ने महाकुंभ को बताया एकता का प्रतीक

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम के 118वें एपिसोड में पीएम मोदी ने लोगों से कई अहम बातें कीं। पीएम मोदी ने बाबासाहब भीमराव आंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुराने संबोधनों के कुछ अहम अंश भी सुनाए।

साल 2025 की पहली 'मन की बात' में पीएम मोदी ने कहा कि आज 2025 की पहली मन की बात हो रही है। आप लोगों ने एक बात नोटिस की होगी कि हर बार मन की बात महीने की आखिरी रविवार को होती है, लेकिन इस बार हम एक सप्ताह पहले चौथे रविवार के बजाय तीसरे रविवार को ही मिल रहे हैं, क्योंकि अगले सप्ताह रविवार के दिन ही गणतंत्र दिवस है, मैं सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा कि इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष है। ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया। संविधान सभा के दौरान अनेक विषयों पर लंबी-लंबी चचाएं हुईं। वो चचाएं संविधान सभा के सदस्यों के विचार, उनकी वो वाणी, हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। देश में जब 1951-52 में पहली बार चुनाव हुए, तो कुछ लोगों को संशय था, कि क्या देश का लोकतंत्र जीवित रहेगा? इन सब के बीच हमारे लोकतंत्र ने सारी आशंकाओं को गलत साबित किया। आखिर भारत लोकतंत्र की जननी है। मैं देशवासियों से कहूंगा कि वो ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में अपने मत के अधिकार का उपयोग करें, हमेशा करें, और देश के लोकतांत्रिक प्रक्रिसा का हिस्सा भी बनें और इस प्रकिया को सशक्त भी करें।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं। इसमें भारत के दक्षिण से लोग आते हैं, भारत के पूर्व और पश्चिम से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब-अमीर सब एक हो जाते हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होता है, वैसे ही, दक्षिण भू-भाग में, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं। इसी तरह कुंभकोणम से तिरुक्कड-यूर, कूड़-वासल से तिरुचेरई अनेक ऐसे मंदिर हैं, जिनकी परम्पराएं कुंभ से जुड़ी हुई हैं। 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेला' - हमारे ये पर्व, हमारे सामाजिक मेल-जोल को, सद्भाव को, एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं।

अयोध्या में बीते वर्ष हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा की ये द्वादशी, भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनः प्रतिष्ठा की द्वादशी है। इसलिए पौष शुक्ल द्वादशी का ये दिन एक तरह से प्रतिष्ठा द्वादशी का दिन भी बन गया है।

उन्होंने कहा कि मुझे ये बताते हुए गर्व है कि एक भारतीय स्पेस-टेक स्टार्टअप बंगलूरू के पिक्सल ने भारत का पहला निजी satellite constellation (उपग्रह तारामंडल) 'फायरफ्लाई' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। यह उपग्रह तारामंडल दुनिया का सबसे हाई-रिजॉल्यूशन हाइपर स्पेक्ट्रल सैटेलाइट तारामंडल है। कुछ दिन पहले हमारे वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष सेक्टर में ही एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। हमारे वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट्स की स्पेस डॉकिंग कराई है। जब अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ा जाता है तो इस प्रक्रिया को स्पेस डॉकिंग कहते हैं। यह तकनीक अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन तक सप्लाई भेजने और क्रू मिशन के लिए अहम है। भारत ऐसा चौथा देश बना है, जिसने ये सफलता हासिल की है।

उन्होंने कहा कि आईआईटी मद्रास का ExTeM केंद्र अंतरिक्ष में उत्पादन के लिए नई तकनीकों पर काम कर रहा है। ये केंद्र अंतरिक्ष में 3डी-मुद्रित इमारतें, धातु फोम और ऑप्टिकल फाइबर जैसे तकनीकों पर रिसर्च कर रहा है। ये सेंटर बिना पानी के कॉन्क्रीट निर्माण जैसी क्रांतिकारी विधियों को भी विकसित कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहरा कि असम में एक जगह है 'नौगांव'। 'नौगांव' हमारे देश की महान विभूति श्रीमंत शंकरदेव का जन्म स्थान भी है। ये जगह बहुत ही सुंदर है। यहां हाथियों का भी एक बड़ा ठिकाना है। इस क्षेत्र में कई घटनाएं देखी जा रही थी, जहां हाथियों के झुंड फसलों को बर्बाद कर देते थे, किसान परेशान रहते थे, जिससे आस-पास के करीब 100 गांवों के लोग, बहुत परेशान थे, लेकिन गांव वाले, हाथियों की भी मजबूरी समझते थे। उन्होंने कहा, 'उन्हें पता था कि हाथी, भूख मिटाने के लिए, खेतों का रूख कर रहे हैं, इसलिए गांववालों ने इसका समाधान निकालने की सोची। गावंवालों की एक टीम बनी, जिसका नाम था 'हाथी बंधु'। हाथी बंधुओं ने सूझ-बूझ दिखाते हुए करीब 800 बीघा बंजर भूमि पर एक अनूठी कोशिश की। यहाँ गांववालों ने आपस में मिल-जुल कर नैपियर घास लगाई। इस घास को हाथी बहुत पसंद करते हैं। इसका असर ये हुआ कि हाथियों ने खेतों की ओर जाना कम कर दिया।'

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी संस्कृति और विरासत हमें आस-पास के पशु-पक्षियों के साथ प्यार से रहना सिखाती है। ये हम सभी के लिए बहुत खुशी की बात है, कि बीते दो महीनों में हमारे देश में दो नए टाइगर रिजर्व जुड़े हैं। इनमें से एक है छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व और दूसरा है मध्य प्रदेश का रातापानी टाइगर रिजर्व।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले ही स्टार्टअप इंडिया के 9 साल पूरे हुए हैं। हमारे देश में जितने स्टार्टअप 9 साल में बने हैं उनमें से आधे से ज्यादा टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं और जब यह सुनते हैं तो हर हिन्दुस्तानी का दिल खुश हो जाता है यानि हमारा स्टार्टअप कल्चर बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। जब यह सुनने को मिलता है कि अंबाला, हिसार, कांगड़ा, चेंगलपट्ट, बिलासपुर, ग्वालियर और वाशिम जैसे शहर स्टार्टअप के केंद्र बन रहे हैं, तो 'मन' आनंद से भर जाता है। नागालैंड जैसे राज्य में, पिछले साल स्टार्टअप के पंजीकरण में 200% से अधिक की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में दीपक नाबाम ने सेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। दीपक यहां लिविंग होम चलाते हैं। जहां मानसिक रूप से बीमार, शरीर से असमर्थ लोगों और बुजुर्गों की सेवा की जाती है, यहां पर ड्रग की लत के शिकार लोगों की देख-भाल की जाती है। दीपक नाबाम ने बिना किसी सहायता के समाज के वंचित लोगों, हिंसा पीड़ित परिवारों, और बेघर लोगों को, सहारा देने का अभियान शुरू किया। आज उनकी सेवा ने एक संस्था का रूप ले लिया है। उनकी संस्था को कई अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर नर्स के रूप में काम करने वाली के. हिंदुम्बी उनका काम भी बहुत प्रेरित करने वाला है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि वो 18 वर्ष पहले सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, लेकिन आज भी उसी करुणा, और स्नेह के साथ, लोगों की सेवा में जुटी हैं जैसे वो पहले करती थीं। लक्षद्वीप के ही केजी मोहम्मद के प्रयास ये भी अद्भुत हैं। उनकी मेहनत से मिनीकॉय द्वीप का समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हो रहा है। उन्होनें पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कई गीत लिखे हैं। उन्हें लक्षद्वीप साहित्य कला अकादमी की तरफ से सर्वश्रेष्ठ लोकगीत पुरस्कार भी मिल चुका है। केजी मोहम्मद रिटायर होने के बाद वहां के म्यूजियम के साथ जुड़कर भी काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि निकोबार जिले में वरजिन कोकोनट ऑयल को हाल ही में जीआई टैग मिला है। इसके बाद एक और नई पहल हुई है। इस तेल के उत्पादन से जुड़ी महिलाओं को संगठित कर स्वयं सहायता समूह बनाए जा रहे हैं, उन्हें मार्केटिंग और ब्रांडिंग की विशेष ट्रेनिंग भी दी जा रही है। ये हमारे आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस कार्यक्रम की शुरूआत तीन अक्तूबर 2014 को हुई थी। इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है, जिसमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों द्वारा किया जाता है।

### बाबासाहब आंबेडकर के संबोधन के अंश सुनाए

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जब संविधान सभा ने अपना काम शुरू किया तो बाबासाहब आंबेडकर ने परस्पर सहयोग को लेकर एक बहुत महत्वपूर्ण बात कही थी। मैं उसका एक अंश आपको सुनाता हूं...'

### डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संबोधन के अंश सुनाए

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं आपको संविधान सभा की एक और ऑडियो क्लिप सुनाता हूं। ये ऑडियां डॉ. राजेंद्र प्रसाद का है, जो हमारी संविधान सभा के प्रमुख थे। आइए डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को सुनते हैं...'

### श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संबोधन के अंश सुनाए

प्रधानमंत्री ने कहा, 'अब मैं आपको डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आवाज सुनाता हूँ। उन्होंने अवसरों की समानता का विषय उठाया...'

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लगाई पुण्य की डुबकी

**महाकुंभ नगर।** तीर्थराज में पावन संगम के तट पर सनातन संस्कृति के महापर्व महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। महाकुंभ के महासम्मेलन में भाग लेने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह प्रयागराज पहुंचे। रक्षा मंत्री ने सबसे पहले गंगा, यमुना व अद्दश्य सरस्वती की पवित्र त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई। उन्होंने सनातन की जय, गंगा मैय्या की जय का उद्घोष किया। उन्होंने संगम तट से अक्षयवट, पातालपुरी और बड़े हनुमानजी का दर्शन किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने महाकुंभ की व्यवस्थाएं भी देखीं। उनके साथ राज्य सभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने भी संगम में स्नान किया। मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने गंगा जल का आचमन कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि प्रयागराज, संगम में स्नान किया। यह भारतीयता का आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महापर्व है। किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ इसे जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

# इंद्रविक्रम सिंह होंगे सचिव कृषि विभाग
# दीपक मीणा बने नए जिलाधिकारी

## मेरठ में जिलाधिकारी के रूप में दीपक मीणा ने खेली थी सफल पारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** वीरवार देररात उत्तर प्रदेश शासन की ओर से आईएएस अधिकारियों के तबादले की एक सूची जारी की गई जिसमें गाजियाबाद के जिलाधिकारी आईएएस अधिकारी दीपक मीणा को बनाया गया है। आईएएस अधिकारी दीपक मीणा मेरठ में बतौर जिलाधिकारी के पद पर थे और अब उन्हें जनपद गाजियाबाद की जिलाधिकारी बनाया गया है। मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले दीपक मीणा 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

15 जुलाई 1986 को जन्मे दीपक मीणा साल 2022 से ही मेरठ के डीएम के पद पर कार्यरत हैं। यूपी सरकार ने 14 अप्रैल 2022 को उन्हें मेरठ का डीएम नियुक्त किया था। उससे पहले वह सिद्धार्थनगर के डीएम के पद पर कार्यरत थे और उससे भी पहले वह श्रावस्ती के जिलाधिकारी थे। इसके अलावा वह आगरा से लेकर सहारनपुर, मैनपुरी और अलीगढ़ में भी सीडीओ के पद पर काम कर चुके हैं। दीपक मीणा आईआईटी खड़गपुर से पढ़े हैं। उन्होंने यहां से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वह टाटा स्टील में नौकरी करने लगे थे। इसी दौरान उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की और साल 2010 की यूपीएससी परीक्षा में वह आईएएस के लिए चुन लिए गए। फिर उनकी ट्रेनिंग शुरू हुई। मसूरी में उनकी ट्रेनिंग मई 2012 तक चली और उसके बाद उन्हें यूपी कैडर अलॉट किया गया। उनकी पहली पोस्टिंग अलीगढ़ में हुई थी. इसके बाद उन्होंने आजमगढ़ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के पद पर काम किया था। अब आईएएस अधिकारी दीपक मीणा को जनपद गाजियाबाद का जिलाधिकारी बनाया गया है।

### जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह का हुआ तबादला कृषि विभाग में सचिव बनाये गये

**गाजियाबाद।** जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह सचिव कृषि, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग तथा निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद नियुक्त किया गया है। आईएएस अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने 1 फरवरी 2024 में गाजियाबाद के डीएम का कार्यभार संभाला था। यूपी के फतेहपुर के रहने वाले इंद्र विक्रम सिंह को पीसीएस पास करने के बाद पहली पोस्टिंग अलीगढ़ में मिली। जहां वह एसडीएम रहे। दूसरी बार फिर उन्हें साल 2011 में अलीगढ़ डेवलपमेंट अथॉरिटी में सचिव के पद पर तैनाती मिली।


EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और मुफ़्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना से

"इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा।"
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए

| संयंत्र की क्षमता | केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.) | राज्य सरकार का अनुदान (रु.) | कुल अनुमन्य अनुदान (रु.) | संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.) | उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 3KW | ₹78,000 | ₹30,000 | ₹108000 | ₹180000 | ₹72000 |
| 5KW | ₹78,000 | ₹30,000 | ₹108000 | ₹275000 | ₹167000 |
| 8KW | ₹78,000 | ₹30,000 | ₹108000 | ₹400000 | ₹292000 |
| 10KW | ₹78,000 | ₹30,000 | ₹108000 | ₹500000 | ₹392000 |

बहेतर कल के लिए ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाए।

@ 7%* Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333
www.easysolarsolutions.com

# अवैध निर्माण एवं अवैध कॉलोनियां चिन्हित करके ध्वस्त करें: अतुल वत्स

## वैशाली व मोदीनगर में ध्वस्तीकरण की हुई कार्यवाही

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देशानुसार अवैध निर्माण एवं अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। जीडीए वीसी ने निर्देश जारी किये है कि जनपद में कहीं भी कोई भी अवैध कालोनी निर्मित नहीं होनी चाहिए। साथ ही अवैध कालोनियों को चिन्हित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी। उन्होने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि यदि किसी अधिकारी द्वारा कार्यों के प्रति असंवेदनशीलता बरती जाती है या लापरवाही पाई गयी तो उनके खिलाफ भी विभागीय कार्यवाही की जायेगी। इसी के क्रम में प्रभारी प्रवर्तन जोन-6 के नेतृत्व में वैशाली योजना में स्थित विनीता रोहतगी द्वारा भवन संख्या-105 (एच.आई.जी.), सेक्टर-5, वैशाली पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

इस भूखण्ड में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण किया जा रहा था, जिसे ध्वस्त कर दिया गया। कार्यवाही के दौरान स्थानीय विकासकताओं और निर्माणकताओं ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्यवाही निर्बाध रूप से जारी रखी गई। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं समस्त सुपरवाइजर / मेट, स्थानीय पुलिस बल कौशाम्बी और प्राधिकरण पुलिस बल मौके पर उपस्थित रहे।

वहीं प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व 22 बीघा की कॉलोनी ग्राम मानवतपुरी मोदीनगर के पास गाजियाबाद में अवैध कॉलोनी पर अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी में भूखण्डों की बाउण्ड्रीवाल, सड़क, विद्युत पोल आदि के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। अवैध फैक्ट्री को सील किया गया जिसके निर्माणकर्ता ममता गर्ग पत्नी रवींद्र प्रकाश गर्ग की ग्राम गोविंदपुरी मोदीनगर। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय स्थानीय विकासकताओं/ निर्माणकताओं द्वारा काफी विरोध किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। मौके पर उपस्थित लोगों से यह अपील की गयी कि अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों का क्रय, विक्रय न करें।

स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता एवं समस्त सुपरवाईजर/मेट, स्थानीय पुलिस बल, मोरटा पुलिस बल तथा प्राधिकरण पुलिस बल उपस्थित रहा।

# दीपक मीणा ने संभाला जिलाधिकारी गाजियाबाद का कार्यभार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** मेरठ जनपद के पूर्व जिलाधिकारी दीपक मीणा आईएएस ने जनपद गाजियाबाद में जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण किया। दीपक मीणा ने सुबह 10:00 बजे ही कलेक्ट्रेट गाजियाबाद पहुंचे। कलेक्ट्रेट प्रांगण में एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए श्री विवेक मिश्र, एडीएम सिटी गम्भीर सिंह, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, सीटीओ श्रीमती पुष्पांजलि, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों द्वारा नव नियुक्त जिलाधिकारी को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। तदोपरांत नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी आवास पहुंचे।

## हाउस टैक्स करदाताओं के लिए खुशखबरी, निगम व्हाट्सएप पर भेजेगा बिल, ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया होगी सरल

# व्हाट्सएप के माध्यम से हाउस टैक्स भुगतान प्रक्रिया को बनाया गया सरल एवं सुरक्षित: विक्रमादित्य सिंह मलिक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** फरवरी के पहले माह से गाजियाबाद नगर निगम हाउस टैक्स के बिल व्हाट्सएप के माध्यम से भी भेजने जा रहा है जिससे न केवल गाजियाबाद करदाताओं को हाउस टैक्स का भुगतान करने में सरलता होगी बल्कि नगर निगम की वसूली भी बढ़ेगी, गाजियाबाद नगर निगम में करदाताओं को आने की भी आवश्यकता नहीं होगी घर बैठे ही व्हाट्सएप पर हाउस टैक्स का बिल प्राप्त होगा।

एक क्लिक से भुगतान भी सम्मानित करदाता निगम को कर सकेंगे जिसकी रसीद भी यूजर को प्राप्त होगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आधुनिक तकनीकी को बढ़ावा देते हुए शहर तथा निगम हित में अनेकों कार्य किए हैं इसी क्रम में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा व्हाट्सएप पर हाउस टैक्स बिल भेजने तथा इस माध्यम से भुगतान की प्रक्रिया को भी टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए सरल बनाया गया है, नगर आयुक्त द्वारा बताया गया व्हाट्सएप पर गाजियाबाद नगर निगम का लोगो लगा होगा तथा ब्लू टिक भी लगा होगा, जागरूक करदाता भुगतान को सुरक्षित वातावरण में करेंगे' मेटा फेसबुक व्हाट्सएप से एग्रीमेंट हुआ है कि वह निगम का लोगों तथा ब्लू टिक किसी और को कॉपी नहीं करेंगे तथा व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त होने वाले नोटिस का भुगतान पूर्ण रूप से सुरक्षित है' सम्मानित करदाताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए तथा समय की बचत हो ध्यान में रखते हुए व्हाट्सएप के माध्यम से हाउस टैक्स वसूली प्रक्रिया को प्रारंभ किया जा रहा है जो कि शहर वासियों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी तथा ऑनलाइन भुगतान को बढ़ावा मिलेगा।

नगर आयुक्त द्वारा सभी जोनल प्रभारी तथा संबंधित अधिकारियों को व्हाट्सएप पर हाउस टैक्स वसूली हेतु जन जन को जागरूक करने के लिए निर्देश दिए टैक्स वसूली बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत से कार्यवाही करने के लिए कहा गया, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा बताया गया कि कर दाता 31 मार्च से पूर्व अपना बकाया हाउस टैक्स जमा करते हुए 12% ब्याज से बच सकेंगे तथा फरवरी माह में व्हाट्सएप पर हाउस टैक्स बिल भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, आधुनिक तकनीकी का उपयोग करते हुए समस्त कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है पेमेंट गेटवे व अन्य कार्यवाही भी आगामी सप्ताह में पूर्ण की जाएगी इसके बाद व्हाट्सएप पर बिल भेजने की प्रक्रिया को रफ्तार दी जाएगी संभवत गाजियाबाद नगर निगम पहला नगर निगम होगा जिसमें व्हाट्सएप के माध्यम से बिल भेज कर हाउस टैक्स की वसूली की जाएगी।

# मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में ई-लॉटरी का हुआ आयोजन

## आधुनिक युग मशीनीकरण का युग, कृषकों को कृषि यन्त्रों के प्रयोग पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। ई-लॉटरी के समय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) तथा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन के अन्तर्गत यन्त्रों की विकास खण्डवार ई-लॉटरी के माध्यम से कृषकों का चयन किया गया है। सबसे पहले सीएचसी ग्रामीण उद्यमी की ई-लॉटरी द्वारा कृषकों का चयन किया गया। सीएचसी के लिए 22 कृषकों के पंजीकरण के सापेक्ष 22 कृषकों का चयन ई-लॉटरी द्वारा किया गया। इसी क्रम में 20 रोटावेटर हेतु 02 कृषकों चयन, कल्टीवेटर हेतु 05 कृषकों के सापेक्ष 01 सुपर सीडर हेतु 5 पंजीकृत कृषकों के सापेक्ष 4 का चयन तथा टैक्ट्रर माउन्टेड क्राप रीपर हेतु 02 कृषकों के सापेक्ष 01 कृषक का चयन किया गया। सभी विकास खण्डों के ग्राम पंचायतों से लगभग 55 कृषक तथा ई-लॉटरी हेतु समिति के सदस्यों द्वारा कार्यकम में प्रतिभाग किया गया। उपस्थित कृषक जिनका चयन हुआ समिति के सामने पारदर्शी तरीके से कृषको के यन्त्रों का चयन किया गया। जिन कृषकों का चयन ई-लॉटरी के समय किया गया, उपस्थित जन समुदाय द्वारा ताली बजाकर बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित की गयी।

इस कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, गुफरान प्रगतिशील कृषक, सन्नी एफपीओ सदस्य, प्रतिनिधि जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी कार्यालय से सहायक जिला सूचना अधिकारी आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है आज का आधुनिक युग मशीनीकरण का युग है। अतः उपस्थित कृषकों को कृषि यन्त्रों के प्रयोग पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

# मतदाता दिवस को लेकर जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में मतदाता दिवस को लेकर जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने मतदान प्रतिशत को बढ़ाने और मतदाता सूची में बेहतर सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि यदि हम मतदाता सूची में बेहतर सुधार करेंगे और मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करते रहेंगे तो जनपद के मतदान प्रतिशत में सकारात्मक सुधार आयेंगे।

हमें जमीनी स्तर पर कार्य करना है और अपने–अपने ब्लॉक एवं क्षेत्र में कार्यरत बीएलओ सहित अन्य अधिकारियों की मॉनीटरिंग करते हुए उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश देने हैं, समयनुसार स्वयं भी जांच व निरीक्षण करना चाहिए। हमें मतदाताओं को सिर्फ मतदाता दिवस के दिन ही नहीं अपितू अन्य दिवस पर भी मतदान की महत्ता के प्रति जागरूक करना है। बैठक में मुख्य रूप से मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/एल विवेक मिश्र सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

## तबादला आदेश के बाद अंतिम कार्य दिवस में डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने दिया स्पष्ट संदेश

# विदाई समारोह में सफलता के लिए अधिकारियों को दिया 'नो पेंडेंसी' का मंत्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** डीएम इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा अपने कार्यालय पर प्रतिदिन की तरह कार्यदिवस पर सुबह 10 बजे से ही जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई के दौरान कई शिकायतें आई जिन्हें डीएम द्वारा सम्बंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए भेजी गयी। इसके साथ ही डीएम इन्द्र विक्रम सिंह के सचिव कृषि, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद निदेशक बनने पर बधाई देने वालों की भीड़ लगी रही। कलेक्ट्रेट कर्मचारियों द्वारा डीएम इन्द्र विक्रम सिंह का विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपने–अपने विचार व्यक्त किये गये। विदाई समारोह के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपने विचार साझा किये गये।

### बहुत कुछ सीखने को मिला: गंभीर सिंह

इस मौके पर एडीएम सिटी गम्भीर सिंह ने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल में अनेक चुनाव कराये हैं और बहुत कुछ सीखा है। जिलाधिकारी की अगुवाई में हुए लोकसभा व विधानसभा उप–चुनाव में कार्यों को सहज ढंग से करने के नये तरीके सीखने को मिले।

### अधिकारी व कर्मचारियों का किया हमेशा सहयोग: रणविजय सिंह

एडीएम ई रणविजय सिंह ने कहा कि हर अधिकारी में अपने कार्य करने की अपनी एक कला होती है। उसी प्रकार जिलाधिकारी द्वारा सभी कार्यों को बारीकी से देखते हैं और कार्य करते हैं। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारी/कर्मचारियों के कार्य में बहुत सहयोग प्रदान किया गया है।

### डाट और दिए गए उपदेशों से बहुत कुछ सीखा-सौरभ भट्ट

एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट ने कहा कि जिलाधिकारी की नाराजगी व उनके द्वारा पड़ने वाली डाट और दिये गये उपदेशों से उन्हे बहुत कुछ सीखने का मिला और जिससे कार्यों में बेहतर सुधार आए हैं।

### अपने कार्यों के प्रति पूरी ईमानदारी बरतनी चाहिए: इंद्र विक्रम सिंह

इस मौके पर जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि हमें अपने कार्यों के प्रति पूरी ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। हमें सर्वप्रथम अपने स्तर पर कोई भी कार्य लम्बित नहीं रखना है। यही मंत्र हमारी सफलता की कुंजी है। यदि हमारे अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारियों को कार्य करने में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न हो रही है तो हमें चाहिए कि हम उनका निराकरण करें। उन्हें प्रेम से या डाटकर समझायें। क्योंकि आपकी इस डाट के आने वाले समय में अच्छे परिणाम आयेंगे, जो उस अधिकारी/कर्मचारी के लिए एवं उनके पद के लिए लाभप्रद सिद्ध होगें। विदाई समारोह का संचालन नाजिर प्रमोद द्वारा किया गया।

# एकता, समता और समरसता का संगम है महाकुम्भ

## देश के सभी जाति, वर्ग, पंथ, संप्रदाय के लोग आ रहे हैं प्रयागराज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**महाकुम्भनगर।** तीर्थराज प्रयागराज में संगम तट पर सनातन आस्था और संस्कृति के महापर्व महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। प्रयागराज का महाकुम्भ विश्व का सबसे बड़ा मानवीय और आध्यात्मिक सम्मेलन है। यूनेस्को ने महाकुम्भ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है। प्रयागराज महाकुम्भ में मानवता के महापर्व में देश के कोने-कोने से अलग-अलग भाषा, जाति, पंथ, संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। श्रद्धालु साधु संन्यासियों का आशीर्वाद ले रहे हैं, मंदिरों में दर्शन कर अन्नक्षेत्र में एक ही पंगत में बैठ कर भण्डारों में प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। एकता, समता, समरसता का महाकुम्भ सनातन संस्कृति के उद्दात मूल्यों का सबसे बड़ा मंच है।

### प्रयागराज महाकुम्भ एकता,समता,समरसता के महाकुम्भ का सबसे बड़ा उदाहरण

महाकुम्भ में सनातन परंपरा को मनाने वाले शैव, शाक्त, वैष्णव, उदासीन, नाथ, कबीरपंथी, रैदासी से लेकर भारशिव, अघोरी, कपालिक सभी पंथ और संप्रदायों के साधु,संत एक साथ मिलकर अपने-अपने रिति-रिवाजों से पूजन-अर्चन और गंगा स्नान कर रहे हैं। संगम तट पर लाखों की संख्या में कल्पवास करने आये श्रद्धालु देश के कोने-कोने से अलग-अलग जाति, वर्ग, भाषा को बोलने वाले हैं। यहाँ सभी साथ मिलकर महाकुम्भ की परंपराओं का पालन कर रहे हैं। महाकुम्भ में अमीर, गरीब, व्यापारी, अधिकारी सभी तरह के भेदभाव भुलाकर एक साथ एक भाव में संगम में डुबकी लगा रहे हैं। महाकुम्भ और मां गंगा नर, नारी, किन्नर, शहरी, ग्रामीण, गुजराती, राजस्थानी, कश्मीरी, मलयाली किसी में भेद नहीं करती। अनादि काल से सनातन संस्कृति की समता,एकता कि ये परंपरा प्रयागराज में संगम तट पर महाकुम्भ में अनवरत चलती आरही है। सही मायनों में प्रयागराज महाकुम्भ एकता,समता,समरसता के महाकुम्भ का सबसे बड़ा उदाहरण है।

### विविधता में समायी हुई एकता का सबसे बड़ा मंच है महाकुम्भ

महाकुम्भ न केवल भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रदर्शन स्थल है। जिसे दुनिया भर से आये पर्यटक और पत्रकार देख कर आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह पाते। कैसे अलग-अलग भाषा भाषी, रहन-सहन, रिति-रिवाज को मानने वाले एकता के सूत्र में बंधे संगम में स्नान करने चले आते हैं। साधु-संन्यासियों के अखाड़े हो या तीर्थराज के मंदिर और घाट बिना रोक टोक श्रद्धालु दर्शन,पूजन करने जा रहे हैं।

## धार्मिक पर्यटन में बूम से सर्वाधिक लाभ में होगा यूपी

# अगले पांच साल में वैश्विक धार्मिक पर्यटन की इकनॉमी 2.2 अरब डॉलर तक होगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** वैश्विक पर्यटन की इकनॉमी 2032 तक 2.2 अरब डॉलर तक होगी। ताजा रुझानों और करीब 500 ऐसे प्रसिद्ध स्थलों के कारण भारत की इसमें महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी। इस हिस्से में एक बड़ा योगदान उत्तर प्रदेश का होगा।

इसकी कई वजहें हैं। मसलन भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या, उनके वनवास का सबसे प्रमुख पड़ाव चित्रकूट, मां विंध्येश्वरी धाम श्रीकृष्ण, राधा और ग्वालबालों की यादें सजोए मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन, तीरथराज प्रयाग, तीनों लोकों से न्यारी भगवान शिव की काशी के कारण धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के लिहाज से उत्तर प्रदेश का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे स्थलों के साथ कुछ और इस तरह के स्थलों का विकास हो, यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा ही नहीं संकल्प भी है। ऐसा हुआ है और हो भी रहा है। इसके नतीजे भी दिख रहे हैं। मसलन काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद वाराणसी और आस पास के क्षेत्रों में वर्ष 2023 में 10करोड़ से अधिक पर्यटक/श्रद्धालु आए। इसी तरह अयोध्या में रामजन्भूमि पर भगवान श्रीराम का दिव्य एवं भव्य मंदिर बनने के बाद यहां रोज आने वाले पर्यटको/श्रद्धालुओ की संख्या एक से डेढ़ लाख तक है। यह देश के किसी भी धार्मिक स्थल पर आने वाले पर्यटकों/श्रद्धालुओं से अधिक है।

# आस्था से लेकर अर्थव्यवस्था तक है धार्मिक पर्यटन का विस्तार

## विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ चरम पर है

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 60 फीसद से अधिक घेरलू यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा देनी होती है।

उत्तर प्रदेश का देश ही नहीं दुनिया में धार्मिक लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। देश और दुनिया के हर हिंदू के आस्था के केंद्र भगवान श्रीराम की अयोध्या, राधा-कृष्ण ने जिस ब्रज भूमि पर रास रचाए थे, कृष्ण ग्वालबालों के साथ जहां खेले-कूदे, गोपियों के माखन चुराए वह मथुरा, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन भी उत्तर प्रदेश में ही है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ जहां सर्वाधिक समय गुजारा था वह चित्रकूट भी उत्तर प्रदेश में है। इसके अलावा भी प्रदेश के हर जिले या यूं कह लें हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे धार्मिक स्थल हैं जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग जाते हैं। खास अवसर या दिन को ये संख्या हजारों में पहुंच जाती है। योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के साथ गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर के रूप में एक सन्यासी भी हैं। खुद गोरखनाथ मंदिर परिसर में मकर संक्रांति से करीब एक महीने तक लगने वाले मेले में हर साल लाखों श्रद्धालु गुरु गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आते हैं।

# महाकुम्भ में दुनिया देख रही नए यूपी की बढ़ती कौशल क्षमता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**महाकुम्भनगर।** त्रिवेणी के पावन तट पर महाकुम्भ 2025 का आयोजन भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं का एक अद्वितीय संगम है। इस महापर्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा मेला क्षेत्र के सेक्टर-1, गंगा पंडाल के दाहिने पवेलियन में एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश की प्रतिभा और कौशल क्षमता को वैश्विक मंच प्रदान करना और उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करना है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन में कौशल विकास मिशन के पवेलियन में प्रदेश के युवाओं द्वारा अर्जित व्यावसायिक कौशल का लाइव प्रदर्शन हो रहा है। इस प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा कई क्षेत्रों में अद्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है।

इन कार्यक्रमों में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड असेंबली टेक्नीशियन, मास्टर हैंड एम्ब्रॉइडर, एनिमेटर वी-3, ट्रेडिशनल हैंड एम्ब्रॉइडर, सर्विस टेक्नीशियन होम एप्लायंसेज, सोलर पैनल इंस्टालेशन टेक्नीशियन, कारपेट वीवर, मोबाइल फोन हार्डवेयर रिपेयर टेक्नीशियन और गेस्ट सर्विस एसोसिएट जैसे विशेष कौशल शामिल हैं। ये सभी कौशल प्रदर्शनी के माध्यम से आगंतुकों को लाइव प्रदर्शन के रूप में दिखाए जा रहे हैं, ताकि वे प्रदेश की प्रतिभा और कौशल क्षमता को करीब से जान सकें।

# रवि किशन ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी, सीएम योगी के प्रयासों को सराहा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**महाकुम्भ नगर।** गोरखपुर के सांसद और बॉलीवुड के सुपरस्टार रवि किशन ने शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। इस अवसर पर रवि किशन ने कहा की बड़े सौभाग्य से 144 वर्षों के बाद यह महाकुम्भ आया है। इस महाकुम्भ को भव्य और दिव्य बनाने के लिए महाराज योगी जी ने बहुत विकास कार्य कराए हैं।

यह दिव्य महाकुम्भ है और इस दिव्य महाकुम्भ में स्नान का अवसर आज मुझे मिला है। जो इस पुण्य अवसर पर महाकुम्भ नहीं आया, जिसने यहां संगम त्रिवेणी में आस्था की डुबकी नहीं लगाई, मानो उसका जीवन व्यर्थ है। उन्होंने सभी देशवासियों से प्रयागराज में आकर संगम स्नान करने की अपील की।

रवि किशन ने कहा की महाकुम्भ को लेकर योगी सरकार ने व्यापक

■ गोरखपुर के सांसद और बॉलीवुड के सुपरस्टार रवि किशन ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया

तैयारियां की हैं। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को प्रयागराज का विकास स्वतः देखने को मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने मिलकर इस बार पूरे प्रयागराज का काया पलट कर दिया है। यह पुण्य अवसर 144 सालों के बाद आया है। इस सुअवसर पर हर देशवासी, हर सनातन धर्मावलंबी को यहां आकर संगम त्रिवेणी में स्नान करना चाहिए। यहां स्नान करने वाले को पुण्य की प्राप्ति होगी।

### जो 2027 में हारने वाले हैं, वही महाकुम्भ का अपमान कर रहे

महाकुम्भ में 6 दिन के अंदर 7 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संख्या पर विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर रवि किशन ने कहा कि जो लोग 2027 में हारने जा रहे हैं, वही इस महा आयोजन पर उंगली उठा रहे हैं। यह महाकुम्भ आ रहे श्रद्धालुओं का अपमान है, सनातन धर्म का अपमान है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है। यहां जो भी आ रहा है वह अपनी आंखों से भीड़ को देख रहा है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के महाकुम्भ आने की खबरों पर उन्होंने कहा कि सबको यहां आकर डुबकी लगानी चाहिए।

# कड़ाके की ठंड में वृद्धाश्रमों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही योगी सरकार

## वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण के लिए करोड़ों खर्च कर रही यूपी सरकार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** योगी सरकार बुजुर्गों के कल्याण और उनके सम्मानजनक जीवन के लिए समर्पित है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण के लिए व्यापक योजनाएं शुरू की हैं। ये योजनाएं राज्य के हजारों बुजुर्गों के जीवन को सशक्त और सम्मानजनक बना रही हैं। कड़ाके की ठंड को देखते हुए योगी सरकार ने प्रदेश भर में संचालित सभी वृद्धाश्रमों में व्यापक सुविधाओं का इंतजाम किया है। योगी सरकार वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण के लिए करोड़ों खर्च कर रही है, जिलास्तर पर कार्यान्वयन समिति का गठन कर वृद्धाश्रमों का बेहतकर प्रबन्धन किया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले में 150 क्षमता वाले वृद्धाश्रमों का संचालन किया जा रहा है। इन वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों को न केवल आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि उनकी देखभाल और सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा रही है। इन वृद्धाश्रमों के सुचारू प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर विशेष समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही भरण-पोषण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो बुजुर्गों की समस्याओं के समाधान और उनकी देखभाल में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए सरकार ने सुलह अधिकारी पैनल भी गठित किया है, जो इस प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाने में सहायक है। इसके अलावा, वृद्धाश्रमों में प्रवेश और प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे बुजुर्गों को सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। प्रदेश में जारी कड़ाके की ठंड में बुजुर्गों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इसके दृष्टिगत योगी सरकार ने सभी वृद्धाश्रमों में ठंड से बचाव के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

योगी सरकार की यह पहल बुजुर्गों के जीवन में एक नई ऊर्जा और आत्मसम्मान लेकर आई है। इन वृद्धाश्रमों ने न केवल उन्हें आवासीय सुरक्षा प्रदान की है, बल्कि उन्हें एक नया परिवार और सामाजिक सुरक्षा भी दी है।

### बुजुर्गों के देखभाल में करोड़ों रुपये खर्च कर रही योगी सरकार

योगी सरकार इन वृद्धाश्रमों की देखभाल और बुजुर्गों के सम्मानजनक जीवन यापन पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5,443 बुजुर्गों ने इन सेवाओं का लाभ उठाया, जिस पर 49.87 करोड़ रुपये व्यय किए गए। इसके अगले वर्ष 2023-24 में लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 6,864 हो गई, जिसके लिए 61.94 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में करीब 7 हजार बुजुर्गों के लिए योगी सरकार 40.02 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है।

# महाकुम्भ की भूमि सज्जन, संत और ऋषियों की धरा

## महाकुम्भ में भारत की गौरव गाथा बनाम आत्महीनता की भावना पर हुआ व्याख्यान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**महाकुम्भ नगर।** महाकुम्भ प्रयागराज में दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार द्वारा भारत की गौरव गाथा बनाम आत्महीनता की भावना विषयक व्याख्यान का शुक्रवार को आयोजन हुआ। इस अवसर पर सभी ने एक सुर से महाकुम्भ के दिव्य आयोजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की जमकर सराहना की।

### गौरव गाथा पर रखें विश्वास

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण ने अपने संबोधन में कहा कि हम अपनी गौरव गाथा पर विश्वास रखें और आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ें। हमारी आत्महीनता की भावना हमें पीछे की ओर धकेलती है। एक लंबा कालखंड रहा जब भारत का आध्यात्म और यहां की अर्थव्यवस्था दुनिया को रास्ता दिखाते थे। सबसे बड़ा कारण यह था कि हम अपने आत्म विश्वास के साथ काम करते थे। तकनीकी के मामले में हम सारी दुनिया से सदियों सदियों से आगे थे। भारत का बना हुआ माल कपड़ा, मसाले, चीनी, हीरे जवाहरात और भी बहुत सी चीजें पूरी दुनिया में बिका करते थे। यूरोप में हमारे व्यापारी और मध्य एशिया के व्यापारी कारवां बनाकर आते थे और ट्रेड सरप्लस हमारे पक्ष में था। हमको सोने की चिड़िया सदियों सदियों कहा गया। हम कैसे पीछे छूट गए, इस पर भी बहुत सारे अध्ययन हुए हैं। जब मुस्लिम आक्रांताओं ने हम पर हमला करना शुरू किया, हमको दासता की ओर ले जाना शुरू किया, तो एक मनो वैज्ञानिक दवाब हमारे ऊपर आया और गुलामी की स्थिति बनी। वह चाहे सत्ता की हो, या किसी अन्य प्रकार की हो, वह व्यक्ति को नवाचार से रोकती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन देते हुए निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज ने कहा कि दुनिया के सभी लोग भारत की परंपराओं को मानना, समझना और जानना चाहते हैं। इस अवसर पर मिशन के संयोजक और कार्यकारी अध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष महेश चंद्र चतुर्वेदी, सह संयोजक राघवेन्द्र सिंह, अवध बिहारी मिश्र सहित देश भर से आये सेवा मिशन के कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### भारत के खिलाफ की गई साजिश

मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि हम विश्वविद्यालय चलाते थे। बड़े बड़े ग्रंथों के लिखने वाले हैं लेकिन युद्ध के मैदान में हार गए। जीते हुए लोग पराजित हुए लोगों के गुणों का सार्वजनिक स्मरण कभी नहीं करते। ऐसा ही हमारे साथ हुआ। अंत के दो साल अंग्रेजों के शासन में बीते। भांति भांति से हमारे देश के लोगों में यह बात गहराई से बैठाने का प्रयत्न किया गया कि भारत के लोग अशिक्षित लोग हैं। भारत के लोग असभ्य लोग हैं।

# एक बार फिर योगी सरकार ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, पीएम अवार्ड से नवाजा जाएगा यूपी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने एवं जल जीवन मिशन परियोजना में सोलर पावर के उत्कृष्ट उपयोग में बाजी मारी है।

इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री पुरस्कार (पीएम अवार्ड) के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। योगी सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत सोलर ऊर्जा का उपयोग करते हुए न केवल पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहन दिया है, बल्कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान किया। इस परियोजना के तहत सोलर पैनलों की स्थापना के माध्यम से न केवल ऊर्जा की बचत हो रही है, बल्कि पानी की आपूर्ति भी निर्बाध रूप से हो रही है। यह पहल जल संरक्षण और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करती है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि मिशन के तहत सौर ऊर्जा आधारित भूजल की 33,229 योजनाएं संचालित हैं। योगी सरकार द्वारा जल जीवन मिशन की 33,229 योजनाओं का संचालन होने से प्रदेश सरकार को योजना काल में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की बचत होगी।

# महाकुम्भ में क्राउड मैनेजमेंट के लिए वरदान साबित हो रहा आईसीसीसी

## 2750 कैमरों से न सिर्फ मेला क्षेत्र बल्कि पूरे शहर क्षेत्र में भी रखी जा रही है नजर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**महाकुम्भ नगर।** महाकुम्भ में मात्र 6 दिनों के अंदर 7 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु, कल्पवासी और पूज्य साधु संतों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा ली है। योगी सरकार का अनुमान है कि इस बार महाकुम्भ में 45 करोड़ से भी ज्यादा लोग आएंगे। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा महाकुम्भ पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि, मेला क्षेत्र में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) क्राउड मैनेजमेंट में वरदान साबित हो रहा है। इसके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में आ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को कंट्रोल करने में मदद मिल रही है बल्कि कई तरह के सर्विलांस में भी यह मददगार बन रहा है। महाकुम्भ के पहले दिन पौष पूर्णिमा स्नान पर्व

और मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर भारी भीड़ को सुनियोजित तरीके से नियंत्रित करने में आईसीसीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### क्राउड मैनेजमेंट में मिल रही मदद

आईसीसीसी के प्रभारी एसपी अमित कुमार ने बताया कि यहां पर 2750 कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं, जिनके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में बल्कि पूरे शहर क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। 3 एंगल से निगरानी की जा रही है, पहली सिक्योरिटी, दूसरी क्राउड मैनेजमेंट और तीसरी क्राइम। उन्होंने बताया कि हमारे पास जो कैमरे हैं उनसे हम सर्विलांस, क्राउड मैनेजमेंट और फायर सर्विलांस जैसे तमाम आस्पेक्ट्स पर नजर रख पा रहे हैं।

क्राउड मैनेजमेंट के लिए हम लोग क्राउड फ्लो को मॉनिटर कर रहे हैं कि किस तरफ से कितना क्राउड आ रहा है और इसको किस प्रकार से रेगुलेट करना है। क्राउड फ्लो के माध्यम से यह जानने की कोशिश करते हैं की भीड़ का दबाव कहां ज्यादा है और हम उसको वहां से किस ओर मूव कर सकते हैं। यह काफी कारगर तकनीक है। हमें यहां से रेगुलर निगरानी करनी पड़ती है कि कहीं किसी एक स्थान पर भीड़ का घनत्व तो ज्यादा नहीं हो गया है।

# महाकुम्भ से खिले व्यापारियों के चेहरे

## व्यापार में दो से तीन गुना वृद्धि हुई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**महाकुम्भनगर।** प्रयागराज में महाकुम्भ का दिव्य, भव्य आयोजन शुरू हो चुका है। देश और दुनिया के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटक प्रयागराज आ रहे हैं।पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के अमृत स्नान के साथ अब तक 7 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है। करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने जहां एक ओर प्रयागराज का मान बढ़ाया है तो वहीं इससे शहर के व्यापार और अर्थव्यवस्था में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। होटल पर्यटन इंडस्ट्री हो या खान-पान के सामान, ऊनी कपड़े, कम्बल, रजाई, गद्दों के साथ इलेक्ट्रॉनिक समानों की बिक्री में भी 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हुई है।

महाकुम्भ -2025 के आयोजन को लेकर प्रयागराज के व्यापारी पूरी तरह उत्साह में हैं। हर सेक्टर में बिजनेस ग्रोथ देखने को मिल रही है।

महाकुम्भ को प्रारंभ हुए चार दिन ही हुए हैं और शहर के खुदरा और थोक व्यापार में दो गुने से तीन गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। महाकुम्भ को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के प्रयासों से व्यापारी वर्ग प्रसन्न है। होटल इंडस्ट्री हो या खुदरा व्यापार या फिर वस्त्र उद्योग, सभी में पिछले एक सप्ताह में दोगुनी से अधिक का इजाफा देखने को मिला है।

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ प्रयागराज के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह का कहना है कि बाहर से आ रहे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए होटल इंडस्ट्री ने अच्छे प्रबंध किए हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक होटल में बुकिंग करा रहे हैं। प्रयागराज में होटल इंडस्ट्री को 30-40% तक का मुनाफा हुआ है। आने वाले दिनों में 50% तक मुनाफे की उम्मीद होटल इंडस्ट्री को है। हरजिंदर सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह दिव्य और भव्य महाकुम्भ का आयोजन किया है, ऐसा महाकुम्भ प्रयागराज में पहले कभी भी नहीं हुआ।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

## सम्पादकीय

# सोशल मीडिया और फर्जी खबरों पर शिकंजा

फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप की प्रवर्तक कंपनी मेटा ने हाल में एलान किया कि वह अपने थर्ड पार्टी फैक्ट-चेकिंग कार्यक्रम को बंद कर रही है। मेटा भी अब एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर) जैसी कम्युनिटी नोट्स वाली प्रणाली अपनाएगी। मेटा के इस निर्णय ने गलत सूचनाओं से निपटने में ऐसे माडल की क्षमता को लेकर बहस छेड़ दी है। खासकर भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल जनसंख्या वाले लोकतंत्र में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। फैक्ट चेकिंग बंद करने के पीछे मेटा की दलील है कि ऐसे प्रयास फैक्ट-चेकर्स के राजनीतिक पक्षपात से मुक्त नहीं हो सकते। सवाल है कि क्या कम्युनिटी चेकिंग इस समस्या का समाधान है? शायद नहीं। किसी समाचार की सच्चाई परखने में

कौशल, अनुभव और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। सामूहिक राय जैसी दिखने वाली किसी प्रणाली के आधार पर सत्य का निर्धारण नहीं हो सकता, क्योंकि यहां तो कोई भी फैक्ट-चेकर बन सकता है। यहीं पर हमें मुख्यधारा के मीडिया की भूमिका और सत्य को असत्य से अलग करने में उसकी क्षमता पर ध्यान देना होगा। यह भारत के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, क्योंकि हमारे यहां मीडिया की एक पुरानी परंपरा है। इसमें प्रिंट, टेलीविजन एवं उनके आनलाइन माध्यम शामिल हैं। हमारे पारंपरिक मीडिया का उद्भव एवं विकास आंतरिक आवश्यकताओं के अनुरूप हुआ है। वह संघर्षों में तपकर निखरा है। वह देश के स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष का सहभागी रहा है। उसने उत्पीड़न के खिलाफ समय-समय पर मुखरता से मोर्चा संभाला है। मुख्यधारा का मीडिया ही लंबे समय से सूचनाओं के प्रसार का विश्वसनीय आधार रहा है। विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों, चैनलों और उनके वेब माध्यमों वाले पारंपरिक मीडिया की पहुंच बेजोड़ है। यह व्यापक नेटवर्क दूरदराज तक समाचार-सूचनाएं पहुंचाकर जनता में जागरूकता बढ़ाकर उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी को सशक्त करता है। स्वस्थ समाज एवं प्रखर लोकतंत्र के लिए मुख्यधारा के मीडिया की भूमिका ऐसी है कि कथित सोशल नेटवर्क की आड़ में इंटरनेट मीडिया का चोला धारण करने वाली कंपनियां कभी उसका स्थान नहीं ले सकतीं। भारत के संदर्भ में मुख्यधारा के मीडिया की महत्ता और बढ़ जाती है। भारत की विविधता यूरोप महाद्वीप जितनी ही है। जहां यूरोप के 44 देशों में 24 आधिकारिक भाषाएं हैं, वहीं एक भारत में ही 22 आधिकारिक भाषाएं हैं। यूरोप की तुलना में हमारी आबादी भी लगभग दोगुनी है। भारत की संस्कृति और जनसांख्यिकी विविधता का उसके लोकतंत्र पर प्रभाव पड़ता है। इस विविधता के सार को समझने के लिए हमें मुख्यधारा के मजबूत मीडिया की आवश्यकता है, जो स्थानीय मुद्दों और भाषाओं में प्रवीण हो। यह काम सोशल मीडिया कहे जाने वाले इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म को आउटसोर्स नहीं किया जा सकता। याद रहे कि इंटरनेट मीडिया जमीनी एवं तथ्यपरक रिपोर्टिंग के बजाय तीव्र प्रतिक्रिया को बढ़ावा देने वाला साधन है। इस पर अधिकतर समाचार ट्रेंडिंग अपसंस्कृति के शिकार होते हैं। इन पर सक्रिय कंटेंट क्रिएटर्स का ध्यान सिर्फ वायरल होने वाले कंटेंट बनाने पर रहता है। उनके पास यह जांचने की योग्यता एवं कौशल नहीं होता कि कोई समाचार कितना सच है। जैसे पिछले माह एक पोस्ट वायरल हुई जिसमें दिखाया गया कि भारत में एक मस्जिद में आग लगाई जा रही है। हालांकि विशेषज्ञों की पड़ताल में पता चला कि वीडियो इंडोनेशिया का था और तनाव बढ़ाने के लिए उसे जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया था। शरारत के जरिये माहौल बिगाड़ने के ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनका हम केवल पारंपरिक पत्रकारिता की ताकत से मुकाबला कर सकते हैं। वायस क्लोनिंग और डीप फेक जैसे नवीनतम एआइ टूल्स ने इंटरनेट मीडिया को और बेलगाम बना दिया है। यहां किसी भी व्यक्ति की आवाज, चित्र और वीडियो से छेड़छाड़ कर कोई भी दुष्प्रचार किया जा सकता है। इंटरनेट पर ऐसी तमाम साइट्स हैं जिनके माध्यम से कोई नौसिखिया भी फेक कंटेंट बना सकता है। ऐसी सामग्री बहुत तेजी से तैयार हो रही है। एक्स और इंस्टाग्राम पर ब्लूटिक खरीदने के बाद कोई हैंडल हूबहू कापी किया जा सकता है। इससे कंटेंट क्रिएशन को लेकर भ्रम की आशंका बढ़ी है। इस पर अंकुश के उपाय सीमित एवं व्यापक रूप से अप्रभावी हैं। इंटरनेट मीडिया जवाबदेही के स्तर पर भी शून्य है। जबकि मुख्यधारा के मीडिया की पूंजी ही विश्वसनीयता है तो वह जवाबदेही को लेकर कोई समझौता नहीं करता। उसके किसी कृत्य को लेकर देश के कानूनों के दायरे में शिकायत भी की जा सकती है, लेकिन इंटरनेट मीडिया कंपनियां तो ऐसे कानूनी दायरे से ही बाहर हैं, क्योंकि उनका व्यापक परिचालन देश के बाहर से हो रहा है। यह विषय राष्ट्रीय संप्रभुता से भी जुड़ा हुआ है। जब हम किसी इंटरनेट मीडिया कंपनी के विदेश स्थित फैक्ट-चेकर्स या कम्युनिटी संचालित फैक्ट-चेकिंग पर भरोसा करते हैं, तो हम समाचारों को सत्यापित करने की अपनी क्षमता को एक एल्गोरिदम या एआइ के हवाले कर देते हैं। यह एआइ भारतीयों द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता। इस एआइ में विदेशी प्रभाव के कारण हेरफेर किया जा सकता है। इसका ध्येय अक्सर हमारे राष्ट्रीय हितों को अस्थिर करने, भ्रमित करने और नुकसान पहुंचाना हो सकता है। यही कारण है कि लोकतंत्र को एक मजबूत, स्वतंत्र, स्वदेशी और आत्म-सुधार वाले चौथे स्तंभ की आवश्यकता सदैव रहेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि सूचनाओं के प्रसार और सामुदायिक संवाद को बढ़ावा देने में इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों ने अहम भूमिका निभाई है, लेकिन उनमें फर्जी खबरों की बाढ़ के चलते वे कभी मुख्यधारा के मीडिया का स्थान नहीं ले सकते। परंपरागत मीडिया अपने समृद्ध इतिहास और पत्रकारीय नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ गलत सूचनाओं के ज्वार के विरुद्ध एक ढाल के रूप में कार्य करता है। भारत जैसे जीवंत और जटिल लोकतंत्र में डिजिटल प्लेटफार्म और पारंपरिक मीडिया के बीच तालमेल एक सूचित और प्रबुद्ध समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

## -अमृत कलश-

# तुम्हारी चेतना ही तुम्हारी मुक्ति का द्वार है...!

जीव, श्वास की प्रक्रिया से उत्पन्न होकर श्वास की हानि से ही शरीरमुक्त होता है। उसके साथ उसकी चेतना सदैव अपना प्रभाव बनाए रखती है...चेतना, विद्युत तरंग की भांति प्रगट होकर आकाशमंडल से आती है और उसी में लौट जाती है...वही आपके सब कर्मों और भाग्य का लेखा जोखा रखती है...उसी के प्रभाव से चेतना पुनः स्फूर्ण होती है और शरीर में व्याप्त हो जाती है...वह एक विद्युत तरंग सा व्यवहार करती है....जो उस क्षण जागा है, उसकी जागृति है...जो सोया है, उसकी सुषुप्ति है और जो अर्द्धमूर्छित है, वह स्वप्न है और जो अर्धजागृत है...वह प्रपंच से भीतर की यात्रा के पथ पर है... चेतना का उर्ध्वगमन और अधोपतन ही जन्म और मृत्यु के कारक होते हैं....चेतना कभी रुकती नहीं है...वह निरंतर है, उसका विस्तार ही भौतिक- अभौतिक सब है...वही जागी हुई है, वही स्वप्न में है और वही सुषुप्त है...तीनों, चेतना के ही रूप हैं...और चेतना ही वह व्यवस्था है, जो तारों और नक्षत्रों के प्रभाव से जुड़कर हमारा मार्ग बताती है, बाधाओं से पार पाने का भी और बाधाओं से घिर जाने का भी...! चेतना की ऊर्ध्व गति बाधाओं को नष्ट करती है तो उस पर सूर्य का प्रभाव होता है और जब उसका पतन होता है तो वह चंद्रमा के प्रभाव में होती है...इस गति अवगति से ही श्वास को निरंतरता मिलती है...जैसे ही गति और अवगति का चक्र पूर्ण होता है, चेतना विस्तार को प्राप्त हो जाती है और विराट में विलीन हो जाती है...लोग मृत्यु का शोक मनाते हैं....

**आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री**
श्रीपीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ

तुम चाहते हो कि मुक्ति हो तो वह तुम्हें उस इच्छा के योग्य बनाती है और बाधाओं का क्रम शुरू होता है, जब तुम बाधाओं से संघर्षकर इस योग्यता को पा लेते हो तब वह चेतना तुम्हारे अवचेतन में रुके कर्मविपाक को नष्ट कर देती है और संघर्ष से कर्म का फल पाकर चेतना शुद्धता की ओर बढ़ती है, ऊर्ध्वप्रवाह का प्रभाव, जब अवचेतन पर पड़ता है तो किल्विष को नष्ट होना ही होता है...उसी को उपनिषद तमसो मा ज्योतिर्गमय कहते हैं...क्योंकि वह असत से सत की ओर अग्रसर होती है...और मृत्यु से पार पाकर अमृततत्व को प्राप्त हो जाती है....लोक में उसी को ईश्वरीय प्राप्ति कहा जाता है...वस्तुतः चेतना का प्रभाव कितना प्रबल है, शक्ति उसी आधार पर समुच्चय में होती है।

चेतना ही परावर्तित होकर शक्ति रूप में प्रगट होती है और आप जो चाहते हैं, उसे पूर्ण करती है...लेकिन ध्यान रहे कि वह असत, तमस और मृत्यु से दूर हो....उसके लिए आपको समर्पण करना होगा...क्योंकि चेतना का केंद्र विराट है...और विराट के अंश होने से असीम शक्तियां उसकी अनुगामिनी हैं...वे शक्तियां सबकुछ करने की अवस्था में हैं।

उनकी प्रबलता निर्धारित करती हैं कि क्या होगा...इसमें सबसे बड़ी बाधा है अहंकार...जो उस चेतना के विस्तार को संकीर्णता में ले जाना चाहता है, जिस पर तमस का प्रभाव है....

लेकिन, जैसे ही आपकी अवधारणा उस विराट को समर्पित होती हैं, अहंकार अवधारणाओं के साथ लुप्त हो जाता है...चेतना विस्तार पा जाती है और प्रगट होता है प्रेम...करुणा....जिसके बाद प्रश्नबोध ही नहीं रहता...न विचार होता है और न ही अवधारणा...बस शक्ति को समर्पित हो जाना है....फिर कुछ शेष नहीं रहता...इच्छाएं प्रगट नहीं होती, वे विचार को भी ऊर्ध्वगति से जोड़ देती हैं...क्षुद्रता नष्ट हो जाती है और जीव विराट की शक्तियों को प्राप्त हो जाता है....

आपके समर्पण से उपजी ऊर्जा, चेतना को शक्तिसंपन्न कर देती है...वह शक्ति सबकुछ स्वयं करती है, जो आप चाहते हैं....भक्ति भी और मुक्ति भी.....वही आपको विस्तार देती है, वही स्वप्नों को साकार करती है, वही आपको संभालती है और जीवन का होना स्थापित करती है....जिसने चेतना को साध लिया, उसका अवचेतन सिद्ध हो गया...और अवचेतन से अधिक शक्तिशाली कोई नहीं....

बंधन और मोक्ष उसी के पक्ष हैं....वह चेतना ही आपकी मुक्ति का द्वार है।

# श्रृंगी ऋषि के राम

**ब्रह्मचारी कृष्णादत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है**

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृगी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान राम का दिव्य जीवन )

### राजा दशरथ के पुत्रों के नामकरण

महाराजा दशरथ के राजकुमारों के जन्म के पश्चात उनके नामकरण का निर्धारण होना था,जब नामकरण का समय आया,तो महाराजा दशरथ,महर्षि वशिष्ठ मुनि के पास पंहुचे और महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज से कहा-मुनिवर! आपने हमें वेदों का अध्ययन कराया है। जिसमें कहा हैं कि बाल्यकाल में नामोकरण होना चाहिये,तो ऋषिवर! नामकरण करके मेरे बाल्यों का नाम घोषित कीजिए। वशिष्ठ मुनि महाराज ने उनकी विनय को स्वीकार कर लिया, जब महर्षि वशिष्ठ मुनि ने नामकरण करना स्वीकार कर लिया,तो ऋषि की पत्नी माता अरून्धती से भी प्रार्थना की गयी,तो उन्होंने भी प्रार्थना को स्वीकार कर लिया और उन्होंने महाराजा दशरथ से कहा कि-यह एक बहुत पवित्र कार्य है। इस कार्य में अनेकों विद्वानों का होना अति आवश्यक है। अतः आप समस्त राष्ट्रों के सर्वत्र विद्वानों, आचार्यों, बुद्धिमानों को आमंत्रित करें।

महाराजा दशरथ ने उसे स्वीकार कर लिया,उसके पश्चात उन्होंने महर्षि काकभुषुण्ड,महर्षि लोमश, महर्षि व्रेतकेतु, महर्षि, महर्षि विभाण्डक, महर्षि श्रृंगी, महर्षि वैशम्पायन इत्यादि अनेकों महर्षियों ब्रह्मवेताओं, ब्रह्मचारियों, महाराजाओं को आमन्त्रित किया ।

### नामकरण संस्कार में ऋषि मुनियों के आशीर्वाद

महाराजा दशरथ जब नामोकरण का उत्सव मनाने लगे तो उनके आमंत्रण पर महाराजा शिव का भी आगमन हुआ। सभी ऋषियों इत्यादि के आगमन के पश्चात वहां एक महर्षियों,ब्रह्मवेताओं की ब्रह्मवर्चोसियों इत्यादि विराजमान हो गएं, जिनकी गणना भी नही हो सकती थी,मुझे तो ऐसा दृष्टिपात व प्रतीत है कि वेद के वांगमय में जितने भी तपस्वी थे,सबको महाराजा दशरथ के द्वारा आमन्त्रित किया गया था,आमन्त्रित विद्वानों को स्थान देने के पश्चात महाराजा दशरथ सभा के मध्य में अपने बालकों के साथ विराजमान हुए और उद्घोष करने लगे कि-भगवन! महर्षि वशिष्ठ महाराज जी! नामकरण का प्रारंभ कीजिए महर्षि वैशम्पायन और महर्षि विभाण्डक मुनि से कहा कि-आईये, भगवन! हम

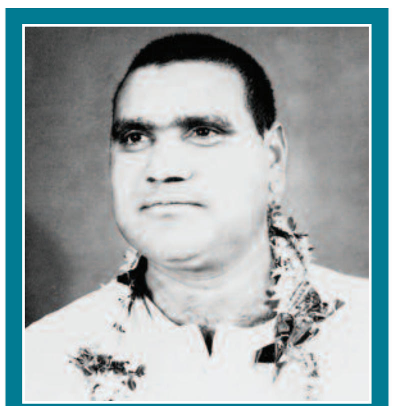

ब्रह्मचारी कृष्णादत्त जी

आपको पुरोहित के रूप में,ब्रह्मा के रूप में निर्वाचित करते है और ब्रह्मा का आसन ग्रहण करने को कहा। जब ब्रह्मा अपने आसन पर विद्यमान हो गये। तो ब्रह्मा ने महाराज दशरथ से कहा कि-हे महाराज! तुम अपने बालकों के नामकरण का उदगीत गाओ और हमें यह बताओ कि तुम अपने बालकों के नामकरण क्या करना चाहते हो?

तो महाराजा दशरथ ने चारों बाल्यों का नाम-राम,लक्ष्मण,भरत और शत्रुघ्न उनके गुणों को बताते हुए,उदगीत गाया। इसके पश्चात उन आत्माओं से जो शिशु रूप मे थी,उनसे अपना परिचय उदगीत रूप में गाने को कहा, तो बालकों की आत्माओ ने अपना कोई परिचय नही दिया,तो महर्षियो ने उनका नामकरण पूछा जब,उसका भी कोई उतर न मिला,तो ब्रह्मर्षियो ने कहा- हे आत्माओ! हम राम,लक्ष्मण,भरत और शत्रुघ्न के रूप में तुम्हारा नामोकरण उदघोषित करते है। नामकरण के उदघोष के पश्चात यज्ञ प्रारम्भ हुआ।

### नामकरण में ऋषि मुनियों के आशीर्वचन

यज्ञ की समाप्ति के पश्चात,तो महाराजा दशरथ में महर्षि वशिष्ठ तथा माता अरुन्धती से कहा कि-हमारे यहाँ ये जो चारो राजकुमार राजस्थली को प्राप्त हए है,इनका कुछ पूर्व परिचय भी होना चाहिये। तो माता अरुन्धती ने कहा कि ये चारो राजकुमार शिशु रूप मे विद्यमान हैं और जो शिशु के रूप मे रत्त रहता है। यह आत्मा,जो शरीर में भास रहा है,वह जो बाल्य रूप से विद्यमान रहता है। शरीर का अपनी आभा के अनुसार उसका परिवर्तन होता रहता है। आत्मा का कोई परिवर्तन नही होता। माता अरुन्धती ने कहा कि-हे आत्माओं! तुमने इस राष्ट्र में प्रवेश किया है। तुम्हारी वृत्तियां इस प्रकार की हों कि यह राष्ट्र उज्ज्वलता को प्राप्त हो। तुम्हारी इस राष्ट्र में सदैव प्रतिभा बनी रहे! तुम राष्ट्र के ऐश्वर्यो मे परिणित हो करके अपने-अपने अस्तित्व को समाप्त न करना,शिशु को कर्तव्य होना चाहिये कि वह त्याग और तपस्या मे परिणित हो करके राष्ट्र व समाज का कल्याण और माता-पिता की आज्ञा का पालन करने वाला हों,पुनः माता अरुन्धती ने कहा कि-आचार्य कुल में प्रवेश हो करके आचार्यो के द्वारा प्राप्त शिक्षा को ग्रहण करके ऐसे ओजस्वी बनना और आचार्यो की प्रतिभा में रत्त रहना, आचार्य तथा अपने कुल को महानता में ले जाना,ब्रह्माण्ड तथा पृथ्वी के गर्भ की चर्चा को जानने वाले हो,महान वैज्ञानिक होना ,हे श्रोत्रीय रूप शिशु! तू इन वाक्यों को ग्रहण करके अपने में उज्ज्वल बनता चला जा। यह उच्चारण करके माता अरुन्धती अपनी स्थली पर विराजमान हो गयी। क्रमशः.......

# कश्मीर से पंडित पलायन के चार दशक

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1 % से नीचे होकर 0 % की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जन. 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुशमन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमें और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी

प्रवीण गुगनानी

मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामनें नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपनें पिता शेख अब्दुल्ला के कदमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जन. 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ऐ-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करनें और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जन. 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देनें के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24

घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक-बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे. घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।

अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों,बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जे के एल ऍफ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया।

अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएलऍफ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आतताइयों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए। हजारों कश्मीरी पंडित दिल्ली, मेरठ, लखनऊ जैसे नगरों में सनस्ट्रोक से इसलिए मृत्यु को प्राप्त हो गए क्योंकि उन्हें गर्म मौसम में रहनें का अभ्यास नहीं था। 40 वर्ष पूर्ण हुए किन्तु कश्मीरी पंडितों के घरों पर हिजबुल द्वारा नोटिस चिपकाए जानें से लेकर विस्थापन तक और विस्थापन से लेकर आज तक के समय में मानवाधिकार, मीडिया, सेमीनार, तथाकथित बुद्धिजीवी, मोमबत्ती बाज और संयुक्त राष्ट्र संघ सभी इस विषय में कमोबेश बोले या नहीं यह तो नहीं पता किन्तु इन कश्मीरी पंडितों की समस्या का कोई ठोस हल अब तक नहीं निकला यह समूचे विश्व को पता है ये सच से मूंह मोड़ने और शुतुरमुर्ग होनें का ही परिणाम है कि कश्मीरियों के साथ हुई इस घटना को शर्मनाक ढंग से स्वेक्छा से पलायन बताया गया! इस घटना को राष्ट्रीय मनावाधिकार आयोग ने सामूहिक नर संहार माननें से भी इंकार किया; ये घोर अन्याय और तथ्यों की असंवेदी अनदेखी है!! नरेन्द्र मोदी सरकार कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास हेतु प्रतिबद्ध है और वह इस प्रतिबद्धता को दोहराती रही है।

**लेखक विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार हैं।**

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

व्यंग्य-

## दीनानाथ के हाथ

डॉ. हरीश नवल

मेरी दादी की यह प्रगाढ़ इच्छा थी कि मैं एक सुयोग्य नागरिक बनूँ। उन्होंने मुझे ऐसा बनाने के लिए बाल्यकाल से ही ट्रेनिंग देनी शुरू की। किशोरावस्था तक आते-आते मुझे सुयोग्य होने के अनेक बताए गए गुरों में से कुछ सुनहरे गुर दादी ने व्यवहार में लाने के लिए बाध्य किया। मैं शीघ्र ही बाध्य हो गया क्योंकि उन्होंने ही मुझे बताया था कि माता-पिता या दादा-दादी से अच्छी बातें सुन-सुनकर और आगे जीवन में ग्रहण करके ही अनेक पुरुष महापुरुष बने हैं। इनमें शिवाजी और महात्मा गांधी मुझे बहुत अच्छे लगते थे।

मैंने दादी से बचपन में कई बार पूछा कि महापुरुषों की भाँति महास्त्रियाँ भी होती होंगी, आप मेरी छोटी बहन को भी ऐसी कथाएँ सुनाएँ कि वह बड़ी महास्त्री बने। मेरा मत था कि जब मैं महापुरुष बनूँगा तो क्या मेरी बहन की इच्छा महास्त्री बनने की नहीं होगी? मुझे आज भी याद है, बड़ी विश्वस्त मुद्रा से दादी ने कहा था, 'पुरुष को ही सिखाना पड़ता है, हर स्त्री महास्त्री होती है। तेरी बहन भी हो जाएगी।' तब तो मैं नहीं समझा था पर अब खूब समझता हूँ, अनेक वर्षों से समझता हूँ-बहन के संदर्भ में तो इतना ही कहना यथोचित होगा कि मेरे बहनोई फौज में कर्नल हैं, बड़े-बड़े कोर्स किए हुए हैं-जंगों से लड़े हैं, महापुरुष बनने के लगभग सभी लक्षण हैं, किंतु जैसे ही घर में आते हैं तो डिफेंस की मुद्रा में ही होते हैं।

बहरलाल, किशोरावस्था में सुयोग्य नागरिक बनने के गुरों को मैंने अंजाम देना शुरू किया। दादी ने कहा था कि किशोरावस्था जवानी की पहली सीढ़ी होती है, सीढ़ी चढ़ते हुए नजरें झुकी होनी चाहिए। मैंने फरमाबरदार शिष्य की भाँति यह बात कई गाँठों में बाँध ली और अपनी गली में उतरते ही नजरें चीची कर चलने लगा। इस नीची नजर की वजह से मुझे कई मुसीबतें उठानी पड़ीं। पहले ही दिन एक रिक्शा वाले से टकरा गया। नजरें नीची थीं। मैं देख भी न पाया कि रिक्शा कहाँ से आया, बस जा टकराया। उसका अगला पहिया मेरी पतली टाँगों के मध्य यों स्थापित हो गया जैसे कि साइकिल स्टैंड पर साइकिल रखी जाती है। रिक्शा वाला मुझे कुछ कहता, उससे पहले ही रिक्शा पर बैठी सवारी ने दयापूर्ण ढंग से कहा, 'अरे! बेचारे की शायद आँखें चली गईं हैं। अरे भैया, कोई इसे सड़क तो पार करवा दो।'

एक और दिन तो हद ही हो गई। मैं नीची नजरों की वजह से एक खंभे से टकराकर गिरा ही था कि एक दयालु सज्जन आ गए और मेरे गिरे हुए फैले हाथ में अठन्नी रखकर बोले, 'बेटा, पैसा माँगने के लिए गिरना कोई जरूरी नहीं। उठो और मर्दों की तरह मेहनत करो, आज दे देता हूँ, पर आइंदा इस मोहल्ले में मत आना। अच्छे लहीम-शहीम नौजवान हो, कोई काम क्यों नहीं करते? मेरी फैक्टरी में आ जाओ, बोझा ढोने के लिए मुझे कुछ व्यक्तियों की जरूरत भी है।'

एक और दिन तो हद ही हो गई। मैं नीची नजरों की वजह से एक खंभे से टकराकर गिरा ही था कि एक दयालु सज्जन आ गए और मेरे गिरे हुए फैले हाथ में अठन्नी रखकर बोले, 'बेटा, पैसा माँगने के लिए गिरना कोई जरूरी नहीं। उठो और मर्दों की तरह मेहनत करो, आज दे देता हूँ, पर आइंदा इस मोहल्ले में मत आना। अच्छे लहीम-शहीम नौजवान हो, कोई काम क्यों नहीं करते? मेरी फैक्टरी में आ जाओ, बोझा ढोने के लिए मुझे कुछ व्यक्तियों की जरूरत भी है।'

और उस दिन मैं सुयोग्य नागरिक बना हुआ नीची नजरें रखकर चल रहा था कि एक भद्र महिला से टकरा गया। मुझे टकराकर बुरा तो नहीं लगा महिला के हाथ में काँच का झाड़-फानूस था, उसके मेरे पैर से टकराने पर बहुत बुरा लगा, पैर लहूलुहान और उस महिला का दिल छलनी-छलनी हो गया। एक दूतावास में नीलामी से वह खूबसूरत फानूस लाई थी। उसने मुझे पुलिस के हवाले करने की बात की जबकि जमा हुई भीड़ ने पहले मुझे डॉक्टर के हवाले करने की बात उठाई। बाद में अनेक ने भद्र महिला को मेरी खबर ठीक से लेने का आश्वासन दिया और महिला को अपना पता लिखवाने की होड़ में हिस्सा लेने लगे।

मेरे साथ जो भी दुखद घटा सो घटा, किसी और निर्दोष सुयोग्य के न घटे परंतु मैंने वह गुर व्यवहार में उतारने की मनाही दादी को दे दी।

दादी तो मुझे सद्गुण संपन्न धीरोदात्त नायक बनाने के लिए कटिबद्ध थीं, कटि भी उनकी खूब भरकम थी अतः मुझे बद्ध होने के लिए सच बोलने का गुर दिया। दादी ने सत्यवादी हरिश्चंद्र की कथा भी सुनाई और मैंने कथा सुननने के बाद से ही सच बोलने का अभ्यास शुरू कर दिया। कथा से दूटते ही मैंने कहा कि दादी, 'यह कथा विश्वसनीय नहीं है। सपने में दान करने की बात सोच हरिश्चंद्र ने राज्य दान कर दिया, यह उचित नहीं है।' इस पर दादी ने कहा, 'वाद-विवाद प्रतियोगिता अपने स्कूल में करना, यहाँ कोई तर्क नहीं चलेगा। जब तेरे माता-पिता तक मुझसे तर्क नहीं करते तो कौन से खेत की मूली है?' मैंने सचमुच समझा कि वे मुझसे प्रश्न कर रही हैं।

मैंने सत्य उत्तर दिया, 'उसी खेत की मूली हूँ दादीजी जो आपने ही लगाया था, आज भी सींच रही हैं।'

इस पर वह बिगड़ गईं। बोली, 'तुझे बात करने की तमीज नहीं। जानता है किससे बात कर रहा है?'

मैंने विनम्रता से झुककर कहा, 'हाँ, जानता हूँ, आप श्रीमती द्वारिकादेवी हैं जिनका मायके का नाम दुगार्देवी था। आपका विवाह मेरे दादा से हुआ था। आपको दादाजी पसंद नहीं आए थे परंतु उनका बड़ा मकान, नौकर-चाकर बहुत पसंद थे।'

दादी ने इधर-उधर देखा कि कोई सुन तो नहीं रहा। मेरी माँ आँचल को मुँह में ठूँसे यह डायलाग सुनकर हँसी रोकती उन्हें नजर आ गईं। दादी मरखनी हो उठीं, माँ से बोलीं, 'निगोड़ी, तू क्यों बातें सुन रही है?'

माँ का चेहरा सपाट हो गया। मैंने कहा, 'दादीजी, वे निगोड़ी नहीं हैं, वे महेश्वरी आपकी बहू हूँ इसलिए बातें सुन रही हैं क्योंकि आपकी आवाज उनके कानों में पहुँच रही है मैं सच कह रहा हूँ।'

दादी चीखीं, 'आया बड़ा सत्यवादी हरिश्चंद्र, सच बोल रहा है। भाग जा यहाँ से कोई जरूरत नहीं ऐसे सच-वच की।'

मैं आज्ञाकारी बालक की भाँति भागने लगा। भागते हुए मैंने कहा, 'धन्यवाद दादीजी! अब सब सच नहीं बोलूँगा, झूठ बोलूँगा। तुम बहुत अच्छी हो, बड़ी प्यारी हो, दुनिया की सबसे अच्छी दादी हो।'

कुछ दिन तो दादी मुझसे परहेज रखती रहीं पर एक दिन फिर मुझे सुयोग्यता की शिक्षा देने लगीं। वो दीक्षा से पूर्व बोलीं, 'बेटा, मूल से ब्याज प्यारा होता है इसलिए तू कैसा भी हो पर मुझे अच्छा लगता है। मैं चाहती हूँ तू बड़ा होकर एक प्रसिद्ध व्यक्ति बने, तू एक काम कर। तू दया का पाठ पढ़। मैं चाहती हूँ कि तू मूलचंद बन।'

मूलचंद सुन मैं चौंका, 'दादी, अभी तो आप कह रही थीं कि मूल से ब्याज प्यारा होता है, अब कह रही हो कि मूलचंद बन, मैं कुछ समझा नहीं।'

दादी प्यार से बोलीं, 'बेटा, यह मूल दूसरा है। हमारे यहाँ लिखा है, ह्यदया धर्म का मूल है।' तू दया किया कर, यही मूल सिद्धांत है।'

मैं सदा की भाँति दादी के कथन को सार्थक करने पर जुट गया और दया के पात्रों को खोजने लगा। गली से बाहर निकलते ही मैंने देखा कि एक खाज का मारा पिल्ला क्रंदन कर रहा है। उसे देखकर मैं दया से भर उठा और दादी का ध्यान कर उसे उठाकर घर ले आया। दादी उस समय तक मंदिर जा चुकी थीं। पिल्ले के लिए दूध का बरतन मुझे चाहिए था। मैंने दादी की कटोरी इस पुण्य कार्य के लिए ले ली। मुझे विश्वास था कि दादी अपनी कटोरी का सदुपयोग देख बेहद खुश होंगी। माँ ने मना भी किया, पर मुझे लगा कि माँ ईर्ष्या से मना कर रही है।

मैं पिल्ले को दादी की कटोरी में दूध परोस बाहर आकर दादी को अपनी दया की कथा सुनाने के लिए खड़ा हो गया। दादी के आने पर मैंने उन्हें अपनी दया-भावना की बात बताई। वे खुश हुईं जैसे एक चलचित्र में मुगैंबो होता था। वे भीतर आईं, आते ही देखा कि पिल्ला उनकी कटोर पर पिल रहा है और खाज का सताया हुआ है। उनका क्रोध सातवीं मंजिल पर पहुँच गया और वहाँ से मुझ पर कूदा। चिल्लाईं, 'तू दया कर रहा है या दुष्टता! यह बीमारी का घर क्यों उठा लाया-तू सुयोग्य नहीं बन सकता, इसे फेंककर आ बाहर। तू मूर्ख ही रहेगा-अरे, इसे दूध के लिए मेरी ही कटोरी दे दी, तेरा सर्वनाश हो, ले जा।' वे रौद्र रस का मानवीकृत रूप हो उठीं।

मैं पिल्ला बाहर फेंककर आया और दादी कटोरी। काफी देर तक मुझे पता ही नहीं चल पाया कि आखिर मुझसे क्या खता हुई है, मैंने तो दादी के कहने से पहले दया का पात्र ढूँढ़ा, फिर उसके दूध का पात्र भी ढूँढ़ा।

मैंने दादी से निवेदन किया कि मुझे सुयोग्य तो बनना है पर मैं क्या करूँ, मेरा हर प्रयत्न व्यर्थ हो जाता है।

दया का पात्र मैं दादी के लिए बना। वे मुझे बोधतत्त्व देने लगीं। बोलीं, 'तुझे सुयोग्य बनाने के लिए तीन गुर दिए पर तूने कूड़ा कर दिए। तुझे कहा-नजरें नीचें करके चला कर पर तू टक्करें मारता रहा, गली के नुक्कड़ वाली के बेटे दीनानाथ से सीख कि नीची नजरें क्या होती हैं, इसी गुण से दीनानाथ आज नुक्कड़ से देख के मुख्य भवन में आ पहुँचा है।

तुझे कहा, सच बोला कर पर तूने तो मुझे ही झूठा ठहराना शुरू कर दिया। दीनानाथ से सीख कि सच का प्रयोग कैसे होता है। सच बोलकर तूने मुझे नाराज किया और वह सच बोलकर कितनों को प्रसन्न कर चुका है।

बेटा, मैंने तुझे कहा, दया कर तू तो दुष्टता करने लगा। दीनानाथ से पूछ, कैसे किस पर दया की जाता है। दीनानाथ सुयोग्यता का पुतला है, मैंने ही उसे पाठ पढ़ाया था और आज वह ठाट से रह रहा है।

जाहिर है मैं श्री दीनानाथ जी तक पहुँच गया। उनकी योग्यता का यश धूप की भाँति हमारे दिलों तक सेंक पहुँचा रहा था। पूरे मोहल्ले में उनकी धाक थी।

दीनानाथ जी ने सविस्तार मेरी सुयोग्यतावर्द्धक गाथा सुनी और फिर बोले, 'बेटा तुम्हें दुरुस्त करना होगा। तुम मुझे गुरु बनाओ, मैं तुम्हें गुरुमंत्र दूँगा। जो गुरुमंत्र होता है वह किसी को अन्य को, चाहे वह उसकी दादी अम्मा ही क्यों नहो, बताया नहीं जाता।'

मैंने नारियल फोड़ा, उन्हें माला पहनाई, चरण छुए, जेब में ग्यारह रुपये थे, उन्हें अर्पित किए और वे मेरे बड़े गुरु बन गए।

उनके बताए गुरुमंत्र को मैंने बरसों सिद्ध किया और लगता है दादी को मुझसे कोई शिकायत नहीं। वैसे ही उनकी विदा-वेला है, इस वेला में उनका मुझे सुयोग्य नागरिक बनाने का स्वप्न पूर्ण हो चुका है। वह आश्वस्त हैं। मैं भी आश्वस्त हूँ।

मैं नीची नजरें करके चलता हूँ और सावधानी बरतता हूँ कि टक्कर न हो। नीची नजरें करके मोहल्ले में चलने का सर्वश्रेष्ठ समय होता है प्रातःकाल, जब बुजुर्ग महिलाएँ मंदिर जा रही होती हैं और सफाई-पोंछा करने वाली उनके घर। बुजुर्ग महिलाएँ और सफाई करने वाली ही तो सुयोग्य-अयोग्य का विज्ञापन करती हैं। प्रातःकाल नीची नजरें करके चलते वक्त बाएँ हाथ में एक थैला रखना बेहतर होता है।

श्री दीनानाथ गुरुवर जी की भाँति सड़क पर सूक्ष्म दृष्टि रखते चलता हूँ, अतः रोज ही कुछ सिक्के, एकाध नोट, कभी कोई टाई पिन, कभी कान का बुंदा, कोई पर्स कुछ-न-कुछ मिलता ही रहता है, और दाएँ हाथ से उठाकर बाएँ हाथ में पकड़े थैले में डालता रहता हूँ। जिन दिनों नगर पालिका में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल होती हैं, उन दिनों नीची नजरें करके चलने वालों की चाँदी होती है।

जहाँ तक जीवन में सत्य प्रयोग करने की बात है, सच जरूर बोलन चाहिए किंतु इसके लिए मैं अपनी आत्मा को जरूर शामिल कर लेता हूँ, जिसे आत्मा कहती हैं कि यह सच है, वैसा ही करता हूँ। तन की आँखें धोखा दे सकती हैं, पर मन की आँखें मुझे दिखाती हैं कि अमुक व्यक्ति रिश्वत ले रहा है अतः भ्रष्ट है किंतु फिर मैं मन की आँखों से देखता हूँ, आत्मा से देखता हूँ तो सत्य नजर आ जाता है कि अमुक रिश्वत लेकर यदि काम कर रहा है तो यह उसका बड़प्पन है, वह तो हमारी सहायता कर रहा है, अन्यथा मेरा काम संपन्न नहीं हो सकता अतः मैं जान जाता हूँ कि वह भ्रष्ट नहीं, सदाचारी है। उसने रिश्वत के जो रेट रखे हैं, उससे अधिक नहीं लेता। वह धोखा नहीं करता, मेरा काम करता है। रिश्वत देकर काम पूरी ईमानदारी से होता है-यही सच है। अतः मैं दीनानाथ जी का ध्यान कर सुखमय जीवन जीने लगा हूँ। अन्यथा श्री क की भाँति कुढ़ता रहता और ब की भाँति बड़बड़ाता।

आप निस्संदेह मेरी वर्तमान दया भावना के विषय में भी जानना चाहते होंगे। दादी ठीक कहती थीं कि दया धर्म का मूल है। पर यह अधूरा कथन है, पूर्ण करने के लिए एक वाक्य और ध्यान में रखना चाहिए कि ह्यपाप मूल अभिमान'। दया मूल है धर्म का तथा अभिमान मूल है पाप का। मैं जो भी करता हूँ, उस पर अभिमान कभी नहीं करता। जैसे मैंने देखा कि श्री दीनानाथ जी ने अनेक युवा स्त्रियों पर दया की और ऐसी कि उन्हें नारी निकेतनों में रहने पर मजबूर किया ताकि वे एक स्थान पर सुखी भाव से रह सकें और दोनों वक्त का भोजन पा सकें। अब इस भोजन को पाने के लिए अनेक पापड़ बेलने पड़ते हैं जिनमें से कुछ दीनानाथ जी के ही लिए बिलते हैं। वे मन की आँखों से देखते और यश के अधिकारी बनते हैं।

समाज को यशस्वियों की अद्भुत देन है अनाथालय। अनाथालय दया के प्रतीक हैं। दयालुता से भरे अनाथों पर कृपा करके संतुष्टि-सुख पाते हैं। ये अनाथालय चलेंगे कैसे यदि इनमें अनाथ ही न हों? श्री दीनानाथ जी तथा उन जैसे अनेक दीनानाथ समाज में अनाथों की सृष्टि करते हैं, उनकी कृपा से अनेक सनाथ अनाथ बनते हैं ताकि अनाथालय चलते रहें और सुयोग्य नागरिकों का दयाभाव बना रहे। वे मानवता धर्म के मूल का पालन करते रहें पर इसका अभिमान न करें, अभिमान करने से वे पापी की श्रेणी में चले जाएँगे।

दोस्तो! अब न मेरी दादी असंतुष्ट हैं और न मैं ही मूख। अब मैं भले ही देर से इस निष्कर्ष पर आया पर दुरस्त आया। उनका क्या होगा जो तन की आँखों से देखते हैं, क्या उनके देर से भी दीनानाथ होने की संभावना है?

सोचते रहिए कल तक।

व्यंग्य-

## ब्लैक एण्ड व्हाइट

निशा भार्गव

हम भारतीय बातूनी बहुत हैं। चपड़चपड़ बातें करते हैं और हांकते भी लंबी-लंबी हैं। बातों बातों में हम लोग, बातों के टॉपिक भी बदल लेते हैं। कभी-कभी तो बातों के टॉपिक सब्जियों की तरह सीजनल होते हैं और कभी इकनोमिकल यानिकी इकोनोमी की तेजी और मंदी के अनुसार उतारचढ़ाव रखते हैं। एक दूसरे से मिलने पर एक दूसरे के हाल जानने के लिए ''हाऊऑर यू'' की औपचारिकता ही पर्याप्त होती है। घर परिवार की खैरियत जानने तक की नौबत ही नहत आती है। आजकल बात होती है ट्रेफिक जैम की कि कौन कब कहाँ फंसा, कितनी देर टंगा रहा और कब घर पहुँचा। चीजों के बढ़ते दामों की परेशानी पर सभी बोलते हैं और फिर प्रापर्टी की कीमतें तोलते हैं। दाम कितने बढ़े, कितने चढ़े, कितने में खरीदा कितने में बेचा, कितना लाभ मिला, और फिर बात होती है कांटे की, मतलब की, कि कितना व्हाइट मिला कितना ब्लैक।

यूँ हम ब्लैक एण्ड व्हाइट टी.वी. को और ब्लैक एण्ड व्हाइट मूवीज को विदा कर चुके है' उन्हें आउटडेटिड करार देते हैं पर फिर भी हम ब्लैक एण्ड व्हाइट में लिप्त हैं, किस कदर विक्षिप्त हैं इसका अंदाजा लगाना कठिन है। काली लड़की को सब नापसंद करते हैं पर काले धन की चाह रखते हैं। काला धन अधिकांश को प्रिय है। काले पर कोई रंग नहीं चढ़ता ना, उस पर कोई दाग भी नहीं लगता। सफेद से लोग डरते हैं क्योंकि उसके दागी होने की संभावना बनी रहती है।

अब काले इंजन को ही देखिए, न जाने कितने सफेदपोशों को ढ़ोता है। वह भी सबका प्रिय है, ठाठ से सीटी बजाता है और दनदनाता हुआ मंजिल तक पहुँचता है। सीटी वह बजाता है और इल्जाम ट्रेन पर मढ़ जाता है। ''गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है''। सचमुच काले का तो बोलबाला है, सफेद का मुँह काला है।

नौन-स्टिक बर्तन भी काले हैं उनपर कुछ नहीं चिपकता, तभी तो वह अकड़ते हैं। दूसरों को रगड़ते हैं। काले को महिमामंडित करने की होड़ लग गई है। तभी तो काले, सफेद के अनुपात की कोई चिंता नहीं करता है। करोड़ों के सौदे में सफेद का अनुपात हजारों-लाखों में ही सिमट जाता है। सफेद सिमटता जा रहा है और काला विस्तार पा रहा है। दाल में अब काला ही काला है, सफेद का नामोनिशां तक नहीं। एक्सचेंज ऑफर के युग में काले और सफेद का एक्सचेंज धड़ल्ले से होता है। खुलेआम लोग कहते हैं ''काले हैं तो क्या हुआ दिलवाले हैं''। दूसरी तरफ यह भी कहते हैं ''गोरे रंग पर न इतना गुमान कर, गोरा रंग दो दिन में ढ़ल जाएगा।'' सच में सफेद अब ढलने लगा है। धूप में पके बालों की सफेदी भी अब काली की जाने लगी है। भई मजबूरी है जमाना

अब काले इंजन को ही देखिए, न जाने कितने सफेदपोशों को ढ़ोता है। वह भी सबका प्रिय है, ठाठ से सीटी बजाता है और दनदनाता हुआ मंजिल तक पहुँचता है। सीटी वह बजाता है और इल्जाम ट्रेन पर मढ़ जाता है। ''गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है''। सचमुच काले का तो बोलबाला है, सफेद का मुँह काला है।

काले का है। काला तो अंधेरा भी है पर वह किसी को जंचता नहीं क्योंकि उसमें कुछ टिपता नहत। काले की पसंद का रास्ता वैसे जाता अंधेरे की ओर ही है। इस काले का एक नाम और है ''दो नम्बर''। अब तो आप भी मानते होंगे ये जमाना दो नम्बरी हो गया है, इसके बिना रौब जमाना कठिन हो गया है।

कहते हैं ''दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है''। सच तो यह है व्हाइट का ब्लैक और ब्लैक का भी ब्लैक होता है। बिजली के बिना ब्लैक-आउट हो सकता है पर क्या कभी ब्लैक को आउट किया जा सकता है?

बातों-बातों में मुझे भी एक बात याद आई 'ब्लैक' मूवी यूं तो कलर्ड थी पर सबको खूब पसंद आई थी। काले का नाम ''दो नंबर'' है पर बह पहले पायदान पर है।

## गजल

डॉ० भावना कुँअर

कुछ असर ऐसा हुआ उनसे हुई बातों के बाद
बन गए अपने वो हमदम दो मुलाकातों के बाद

क्या हुआ? कैसे हुआ? किसने किया, है प्रश्न ये
क्यूँ दरारें आ गईं हैं प्यार के नातों के बाद

किस तरह इनको छिपाएँ आप ही बतलाइए
लाजमी आँसू है आना दुख भरी रातों के बाद

फिर कोई प्याला जहर का ढूँढ ही लेगा उसे
फिर नया सुकरात होगा इतने सुकरातों के बाद

चोट पर बस चोट ही देते रहे दुनिया के लोग
शख़्स अब भी है वो ज़िंदा इतने आघातों के बाद

रात दिन खटता रहा वो एक पल सोया नहीं
सो गया वो हादसों में जागती रातों के बाद

गाँव आया याद हमको 'भावना' परदेस में
जब उठी मिट्टी से खुशबू इतनी बरसातों के बाद

गजल-

## दुश्मनी

प्रगीत कुंअर

छुपकर मिलेगी दोस्ती में देखना
और अपनापन मिलेगा अजनबी में देखना

चाँद-तारे और दिए दिन में नजर आते नहीं
क्यूँ कठिन है रोशनी को रोशनी में देखना

डूबने वाले से शायद दूर रह जाते हैं वो
हैं वहीं तिनके हजारों तुम नदी में देखना

आदमी ही आदमी का अब शिकारी है यहाँ
आ चुकी शैतानियत है आदमी में देखना

उठ चुका माँ-बाप का साया तुम्हारे सर से अब
आएँगे अब मोड़ मुश्किल ज़िंदगी में देखना

हो अगर काबू से बाहर राख कर देती है वो
तुम उसी लौ को चमकते आरती में देखना

काम को शिद्दत से कर पाए नहीं गर तुम 'प्रगीत'
गलतियाँ होतीं हैं कितनी हड़बड़ी में देखना

लघु कथा-

## 'आकर हिसाब करूंगा'

एन. सी.खंडेलवाल

ता उम्र कमाया, बच्चों को खूब पढ़ाया, लिखाया, देश विदेश घुमाया, कारोबार, ब्याह शादी धूमधाम से करवाया।

सब जिम्मेवारियों से मुक्त हो सोचा अब दिल के अरमां पूरे करेंगे। पर अफसोस कि पत्नी गुजरी तो बच्चों ने अपने संग ले जाना तो दूर घर में ही चौकीदार बनाया। बात बात पे न जाने कब, क्यूं, कौन सा रायता फैलाया। मैं तो बुत बन गया भाया। अचानक दोस्तों का फोन आया, क्योंकि उन्होंने घूमने का प्रोग्राम बनाया साथ धमकाया जनाब दो टूर मिस कर चुके हो हिंदी में कहें तो छोड़ चुके हो, अब ना नहीं, वरना घर आ धमकेंगें, टिकट तुम्हारी हम करवा चुके हैं।

दोस्तों के फोन क्यों नहीं आते थे, मेरा माथा ठनका, मुझे सारा मंजर समझ आया। बच्चों ने मेरे सब दोस्तों का नंबर उड़ाया।

अब समझ आया तो दोस्तों में मौज मस्ती का प्रोग्राम बनाया, जो बच्चों को तनिक न भाया। अपनी गलती को छुपाने के लिए सबने मुझ पर अय्याशी और फिजूलखर्ची का इल्जाम लगाया। मैने हड़का कर कहा मुझ पर हुक्म न चलाओ, सम्हल जाओ, अभी तो जा रहा हूं 'आकर हिसाब करूंगा' बेटे बहू यही सोच सोच कर परेशान हैं कि पापा जी क्या हिसाब करेंगे।

'मित्रो न किसी से आस रखो'
'केवल अपने में विश्वास रखो'
'जमाना बदल चुका नानक'
'जब तक श्वास शेष है'
'मस्ती में विश्वास रखो'
'उसके लिए रोकड़ा पास रखो!'

यू.पी. ऑब्जर्वर साहित्य संवाद पृष्ठ के साहित्य संपादक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार कवि पंडित सुरेश नीरव हैं।

# यूपी बोर्ड के विद्यार्थियों की समस्या समाधान के लिए बनाई गई हेल्प डेस्क

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 24 फरवरी से आरंभ होने वाली है। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के निर्देश अनुसार परीक्षार्थियों की समस्या समाधान के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक ने हेल्प डेक्स बनाने की घोषणा की है। हेल्प डेस्क की नोडल अधिकारी राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या विभा चौहान और सह प्रभारी मीनाक्षी गुप्ता को बनाया गया है। सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक विद्यार्थी अपनी समस्या समाधान के लिए विषय विशेषज्ञ को फोन कर सकते हैं। इसके लिए जनपद गाजियाबाद के 18 विषय शिक्षकों को नियुक्त किया गया है। इन सभी के फोन नंबर, नाम और विद्यालय के नाम जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जारी कर दिए गए हैं।

1 हिन्दी
श्रीमती प्रज्ञा सिहं, प्रवक्ता
9910375925
राजकीय इण्टर कालिज नन्दग्राम

02 अंग्रेजी
श्रीमती शालिनी यादव, प्रवक्ता
8920305549
राजकीय इण्टर कालिज नन्दग्राम

03 समाजिक विज्ञान
श्री आर०आर० वर्मा, स०अ०
7017494771
डा०के० एन० मोदी सा० एण्ड कामर्स

04 भूगोल
श्री ए० के० जैन, प्रवक्ता
9891747870
डा०के० एन० मोदी सा० एण्ड कामर्स इण्टर कालिज मोदीनगर

05 नागरिक शास्त्र
श्री दिनेश कुमार, प्रवक्ता
9412322524
डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स इंटर कॉलेज

06 अर्थशास्त्र
श्रीमती निति शर्मा, प्रवक्ता
राजकीय इंटर कॉलेज नंदग्राम
9450014042

08 अर्थशास्त्र
डॉ आनन्द कुमार , प्रवक्ता
9899282364
महर्षि दयानन्द विद्यापीठ इण्टर कालिज गोविन्दपुरम, गा०बाद

08 गृहविज्ञान
डा० सविता सिहं, स०अ०
9810005366
नगर पालिका बालिका इण्टर कॉलेज नवयुग मार्किट

09 गणित
श्री निर्दोष शिशोदिया, प्रवक्ता
9891164727
शम्भू दयाल इ०का० गाजियाबाद।

10 श्री राजीव वर्मा, प्रवक्ता
9897368389
डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स

11 श्री राजीव वर्मा प्रवक्ता
रसायन विज्ञान
9897368379
डॉ के एन मोदी साइंस

12 भौतिक विज्ञान
श्री विनोद शर्मा, का०प्रधानाचार्य
9412529177
श्री हंस इण्टर का मुरादनगर

13 भौतिक विज्ञान
श्रीमती स्नेहलता, प्रवक्ता
राजकीय इंटर कॉलेज नंदग्राम
9675331220

14 जीव विज्ञान
श्री एल०एम० सिहं, स०अ०
9997947117
डा०के० एन० मोदी सा० एण्ड कामर्स इण्टर कालिज मोदीनगर

15 वाणिज्य
श्री सुधीर कुमार, प्रवक्ता
9068557873
शम्भू दयाल इ०का० गाजियाबाद।

16 मनोविज्ञान
श्रीमती पूजा भारती
कन्या वेदिक इंटर कॉलेज नवयुग मार्केट
9958893822

# उप गन्ना आयुक्त राजेश मिश्र ने सहकारी चीनी मिल बागपत का किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मेरठ** उप गन्ना आयुक्त परिक्षेत्र मेरठ राजेश मिश्र ने सहकारी चीनी मिल बागपत का निरीक्षण किया। उन्होने मिल गेट पर यार्ड स्थित ट्राली कांटे पर कृषक सोमपाल सिंह के गन्ने से भरी ट्राली का वजन कराया गया मानक बॉट रखने एवं ग्रास वजन/टियर वजन करने पर कांटे शुद्ध तौल करते पाये गये। यार्ड मे उपस्थित गन्ना कृषकों को साफ गन्ना लाने एवं को. 0238 गन्ना किस्म के स्थान पर अन्य स्वीकृत किस्मों जैसे को.0118, को.15023,को. शा.13235, को. शा. 17231,को.शा. 18231, को. शा.16233,को. लख.14201, को. लख.16202,को. लख.15466 इत्यादि बोने हेतु प्रेरित किया गया ।वर्तमान में कोहरा,कुहासा, धुंध के दृष्टिगत दुर्घटनाओं से बचाव हेतु मिल गेट पर गन्ना लाने वाले ट्रक एवं ट्रैक्टर ,ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर पट्टी भी लगाई गई तथा मिल प्रतिनिधि को भी निर्देशित किया गया कि मिल यार्ड में किसानों द्वारा लाई जाने वाली समस्त ट्राली एवं बुग्गियों के पीछे एवं आगे रिफ्लेक्टर पट्टी अवश्य लगाए। मिल यार्ड में गन्ना किसानों के बठने हेतु शेड ,अलाव एवं पीने के पानी आदि की व्यवस्थायें ठीक पायी गयी। मिल हाउस के साथ-साथ बॉयलर, टरबाईन, पावर हाउस मशीनरी आदि का भी निरीक्षण किया गया। चीनी मिल के साथ-साथ जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय बागपत, सहकारी गन्ना विकास समिति बागपत एवं गन्ना विकास परिषद बागपत के कार्यालय का निरीक्षण भी किया गया। मौके पर सभी अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित मिले। निरीक्षण के समय उप गन्ना आयुक्त के साथ प्रधान प्रबन्धक, सहकारी चीनी मिल बागपत, जिला गन्ना अधिकारी बागपत, सम्भागीय विख्यापन अधिकारी मेरठ, अपर सॉख्यिकी अधिकारी, परिक्षेत्र मेरठ एवं सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति बागपत आदि उपस्थित रहें।

## चांदमारी में हटाई गई झुग्गी झोपड़ियों के पीड़ितों से मिला सपा प्रतिनिधि मंडल

# आवासहीन हुए लोगों को सरकार कराये आवास उपलब्ध

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जिला अध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को विजयनगर चांदमारी में झुग्गी हटाने से बेघर हुए पीड़ित परिवारों से मिला। इसके साथ ही सपा प्रतिनिधिमंडल उस पीड़ित परिवार के लोगों से भी मिले , जिनकी दो दिन पूर्व 6 वर्षीय बेटी की मौत घर से बेघर होने के बाद कड़कड़हाटी ठंड से हो गई थी। प्रतिनिधि मंडल ने परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान प्रशासन की ध्वस्तीकरण कार्यवाही से बेघर पीड़ित परिवारों ने सपा प्रतिनिधि मंडल से अपनी समस्या को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 35,40 वर्षों से हम सब इस जगह पर निवास कर रहे हैं।

हमारे पास सरकारी प्रमाण जैसे की वोटर आईडी कार्ड ,आधार कार्ड व राशन कार्ड सब है। प्रशासन द्वारा हमारे सभी मकानों पर नंबर प्लेट लगाकर पहचान दी गई थी। प्रशासन ने एक तरफा कार्रवाई करते हुए बिना नोटिस,बिना मोहलत दिये हुए अतिक्रमण हटाने के नाम हमारे सैकड़ो लोगों के घरों को बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया। हमें अपने घरों से बेघर कर दिया गया।

हम सब अपने छोटे -छोटे बच्चों और परिवार को लेकर कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने के लिए मजबूर है। सरकार और प्रशासन हमारी कोई सुध नहीं ले रहा। न कोई सुनवाई कर रहा है। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन व महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट ने कहा कि इस कड़कड़ाती ठंड में घर से बेघर हुए सैकड़ो की संख्या में लोगों को किसी दूसरे स्थान पर अस्थाई रहने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए बगैर उन्हें अपने घरों से बेघर करने की प्रशासन की इस अमानवीय कार्यवाही की हम घोर निंदा करते हैं।

जिस तरह से हजारों लोगअपने छोटे-छोटे बच्चों महिलाओं व अपने बुजुर्गों के साथ इस भयंकर ठंड में खुले आसमान के नीचे रात गुजारने के लिए मजबूर हैं। जिला प्रशासन का यह दायित्व है कि इस कड़कड़ाती ठंड से बचाव के लिए पीड़ित लोगों के लिए सुनिश्चित कदम उठाए।

आखिर ऐसे मौसम में पीड़ित गरीब लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों वह बुजुर्गों को लेकर कहां जाएं। समाजवादी पार्टी प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की वे मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जिला प्रशासन को पीड़ित लोगों की सुरक्षा,रहने ,खाने आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश देने का कष्ट करें। जिससे लोगों को राहत मिल सके और बेघर परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए।

झुग्गी झोपड़ी परिजनों से मिलने वालों में जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन ,महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव , पूर्व प्रत्याशी सिंहराज सिंह जाटव ,वरिष्ठ नेता महबूब लारी, मनोज पंडित महानगर उपाध्यक्ष, अमन यादव राष्ट्रीय महासचिव युवजन सभा , राजवीर गौतम जिला , हाजी आशिफ ,ठाकुर विक्की सिंह ,अंशु ठाकुर जिला अध्यक्ष छात्र सभा,राहुल पंडित प्रदेश सचिव यूथ,कृष्ण वाल्मीकि प्रदेश सचिव अंबेडकर वाहिनी, जितेंद्र जाटव महानगर सचिव , रोहित माथुर राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा समेत अनेक सपा पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

# भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की हुई मासिक पंचायत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत जिला मुख्यालय पर हुई। इस पंचायत की अध्यक्षता धर्मवीर नेता जी व संचालन जाबिर सैफी ने किया।

मासिक पंचायत के बाद भाकियू नेताओं ने जनपद के किसानों की समस्याओं व मांगों से संबंधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा और अपनी मांगों को जल्द से जल्द पूरा कराने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की।

भाकियू की मुख्य मांगों मे मोदीनगर शुगर मिल के सत्र 2018/19 के विलंबित गन्ना भुगतान पर अर्जित ब्याज के बाकी करीब 21,65 करोड रुपए का भुगतान कराने, राजस्व रिकार्ड में मामूली गलती ठीक कराने के लिए गांवों में कैम्प लगाने डासना मेरठ एक्सप्रेस वे की 2022 में अधिगृहित भूमि का मुआवजा दिलाने की मांग शामिल हैं।

# प्रमोद शर्मा ने मकरसंक्रांति पर्व पर बच्चों को भोजन एवं आवश्यक सामग्री वितरित की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद। समाजसेवी डॉ. प्रमोद शर्मा ने मकरसंक्रांति के पावन अवसर पर बच्चों को भोजन व भोजन सामग्री जूश व अन्य सामग्री वितरित की एवम पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंतजी को गरम चादर भैट कर आशीर्वाद लिया। भगवान सूर्य हम सभी के जीवन में रोशनी भर दें।**

# स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिला संपत्ति का मालिकाना हक: सुनील शर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** प्रधानमंत्री द्वारा "स्वामित्व योजना" के अन्तर्गत तैयार की गयी ग्रामीण आवासीय अभिलेखों (घरौनियों) के डिजिटल वितरण कार्यक्रम के मद्देनजर हिन्दी भवन, लोहिया नगर में मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री एवं विधायक साहिबाबाद, सुनील कुमार शर्मा एवं गणमान्यों अतिथियों की उपस्थित में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

हिन्दी भवन में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि सुनील कुमार शर्मा कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा अतिथियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वामित्व योजना के तहत घरौनी वितरण के दूरगामी बेहतर परिणाम होंगे। इससे जमीनी विवाद कम होंगे, जिससे लोगों में लड़ाई–झगड़ें नहीं होगें।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने कहा कि स्वामित्व योजना से जरूरतमंद लोगों को ऋण लेने में आसानी होगी, उन्हें अपनी जमीन–मकानों आदि की जानकारी रहेंगी और उनके पास उनके कागजात होंगे। इसी के साथ जमीन से जुड़े विवाद भी नहीं होंगे। उन्होने कहा कि विभाग द्वारा किसान को कृषि सम्बंधित योजनाएं एवं केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी और अधिक सुगमता से उपलब्ध कराने हेतु वाट्सअप पर किसान कम्युनिटी ग्रुप बनाया गया है जिसमें सभी किसान परिवारों को जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही ग्राम प्रधानों का अलग से एक वाट्सअप ग्रुप बनाया गया है जिससे कि किसानों कि समस्याओं का निराकरण व उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। एडीएम एफ/आर श्री सौरभ भट्ट ने बताया कि इस दौरान 37000 घरौनियां वितरीत की गयी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डिजिटल माध्यम से घरौनी वितरित की। जिसमें 10 राज्यों व 02 केन्द्रशासित राज्यों के जिसमें 2 करोड़ घरौनियां वितरित की। उन्होने सजीव संवाद के दौरान पांच लोगों मनोज, सकोनी, मध्यप्रदेश, श्रीमती रचना, गंगानगर, राजस्थान, रोशन, नागपुर, महाराष्ट्र, श्रीमती संगीता, रायगढ़, उड़ीसा व वीरेन्द्र कुमार, साम्भा, जम्मू–कश्मीर से संवाद किया गया। तदोपरांत माननीय प्रधानमंत्री ने समस्त देशवासियों को सम्बोधित करते हुए स्वामित्व योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार किए गए ग्रामीण आवसीय अभिलेख 'घरौनी' वितरण कार्यक्रम लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित किया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 45 लाख 35 हजार घरौनियां वितरण हुई। जिसके लिए हम माननीय प्रधानमंत्री का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं। हिन्दी भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्य अतिथि द्वारा दर्जनों किसानों को घरौनी वितरित की गयी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.पूनम शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडीएम ई श्री रणविजय सिंह, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, एसडीएम सदर अरूण दीक्षित ललित जायसवाल, अनिल अग्रवाल पूर्व राज्यसभा सांसद, सत्यपाल प्रधान, राजेन्द्र मित्तल, धीरज शर्मा सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# महाकुंभ में दिल्ली संत महामंडल के शिविर का शुभारंभ

## महंत नारायण गिरी के आशीर्वाद से संस्था का प्रथम प्रयास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**प्रयागराज।** दिल्ली संत महामंडल के महाकुंभ मेले में निषाद राज रोड सेक्टर 24 स्थित शिविर का शुभारंभ शनिवार को संस्था के अध्यक्ष, श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में हुआ। संस्था ने महाराजश्री के प्रयास से पहली बार कुंभ मेले में शिविर लगाया है। शिविर का शुभारंभ करते हुए श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति आध्यात्मिकता और एकता का प्रतीक है। महाकुंभ देश की गौरवमयी व वैभवशाली भारतीय संस्कृति, धर्म, आध्यात्म का परचम पूरे विश्व में फहराने का कार्य कर रहा है। प्रयागराज महाकुंभ में विश्व भर से संत व भक्त आ रहे हैं। हमारे शास्त्रों में नर सेवा नारायण सेवा को ही भगवान की सच्ची सेवा व पूजा माना गया है।

संतों व भक्तों की सेवा के लिए ही कुंभ मेले में पहली बार संस्था का शिविर लगाया गया है। दिल्ली संत महामंडल का धर्म, धर्मस्थलों, संतों, भारतीय संस्कृति की रक्षा करने के साथ जरूरतमंदों की सेवा करना है। इसी के चलते स्थापना के बाद 25 वर्ष में जहां सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार किया, वहीं सैकडों मंदिों व मठों की रक्षा कर उन्हें ध्वस्त होने से बचाया।

भारत की प्राचीन गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को बचाने के साथ युवाओं के उसके प्रति जागरूक किया। इसी के चलते आज लाखों युवा भारत की प्राचीन शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जरूरतमंदों के लिए चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराईं। जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित कराने के लिए उनका स्कूलों में प्रवेश कराया। जरूरतमंदों को गरम कपडे, अनाज, बच्चों को स्टेशनरी कॉपी-किताब आदि का वितरण किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए दिल्ली-एनसीआर में अभियान चलाकर पौधरोपण किया जा रहा है।

असहाय गौ माता के उपचार के लिए एम्बुलैंस की व्यवस्था की गई है। उनका इलाज कराकर उन्हें गौशालाओं में अच्छी सुविधाओं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जरूरतमंदों के लिए भी निशुल्क एम्बुलैंस चलाई जा रही है। कोरोना काल में भी संस्था ने सेवा कार्य करते हुए ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराए थे। महाकुंभ में भी गौमाता व मरीजों के लिए निशुल्क एम्बुलैंस सुविधा शुरू की गई है। संस्था के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज, संगठन मंत्री महामंडलेश्वर कंचन महंत कंचन गिरि महाराज, कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज, गुप्ता कालोनी दिल्ली के महंत नारायण गिरि महाराज, प्राचीन देवी मंदिर गाजियाबाद के महंत गिरीशानंद गिरी महाराज आदि भी मौजूद रहे। शिविर का संचालन कोतवाल मंगलदास कर रहे हैं। अंशुमान डोगरा ने सभी संतों की सेवा की।

# मरम्मत कार्यों को रफ्तार दें अधिकारी: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** नगर आयुक्त द्वारा शहर की सुंदरता को बढ़ाने के लिए कार्यवाही तेज कर दी गई है सभी विभागीय अधिकारियों से बैठक की गई तथा कार्य योजना बनाई गई, शहर में जहां गाजियाबाद नगर निगम स्वच्छता और विकास पर जोर दे रहा है वही नगर आयुक्त द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने तथा सौंदर्यकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है, सभी अधिकारियों को कार्य योजना बनाने के लिए कहा गया है, बैठक में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, जलकल विभाग से कामाख्या प्रसाद आनंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, प्रभारी विज्ञापन पल्लवी सिंह उपस्थित रही।

शहर के एंट्री पॉइंट, भोपुरा, यू पी गेट, डायमंड फ्लाईओवर व अन्य एंट्री पर ग्रीनरी बढ़ाने, तथा सेंट्रल वर्ज ग्रीन बेल्ट को और अधिक सुसज्जित करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा एक सप्ताह में कार्य योजना मांगी गई है, सौंदर्यकरण के क्रम में हिंडन एयर फोर्स चौराहा मोहन नगर चौराहा घंटाघर चौराहा हापुर चुंगी चौराहा ठाकुरद्वारा चौराहा को भी प्रमुखता से सुसज्जित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं, डिवाइडरों तथा मरम्मत कार्यों को भी रफ्तार देने के लिए नगर आयुक्त द्वारा निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया है, जिसमें डिवाइडरों पर पेंटिंग कार्य को भी पूरे शहर में करने के लिए कहा गया है स्वच्छता और विकास के साथ-साथ शहर को सुंदर बनाने के लिए कार्यवाही तेजी से की जा रही है।

सेहत/स्वास्थ्य

# किडनी को खराब कर सकती हैं ये 3 आदतें, लोग करते हैं गलतियां

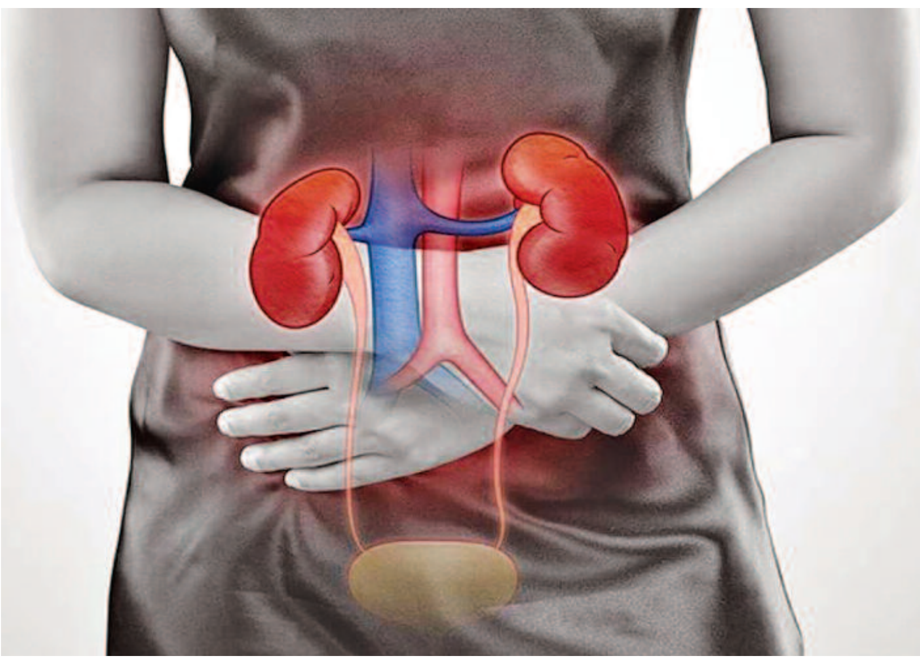

*हेल्थ को ठीक रखने के लिए सही मात्रा में पानी पीना अच्छा होता है। पानी पीना जरुरी नहीं बल्कि सही तरीके से पीना अच्छा हो जाता है। दरअसल पानी पीने कुछ गलतियां हो जाती है, जो किडनी पर असर करती है।*

**दिव्यांशी भदौरिया**

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पानी पीना सही ढंग से भी काफी जरुरी है। सही खाना और सही मात्रा में पानी पीने से ओवरऑल हेल्थ बनी रहती है। अगर शरीर में सही ढंग से पानी पी लिया, तो शरीर में कई पोषक तत्वों की कमी पूरी हो सकती है। पानी पीने से शरीर में जमी गंदगी और टॉक्सिंस को भी बाहर करता है, जिससे कई बीमारियों के पनपने का खतरा कम हो जाता है।

अगर आप भी पानी पीते हैं आप भी यह गलतियां कर रहे हैं, तो आपको तुरंत इन्हें सुधारने की जरुरत है।

### कम पानी पीना

प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीना काफी जरुरी है। जिससे किडनी भी अच्छी तरह काम करे इसके लिए भी पानी का सही मात्रा बहुत जरुरी है। पानी पीने से शरीर से टॉक्सिंस की मात्रा कम हो जाती है, जो किडनी में जा कर फंस जाते हैं। जिसके चलते किडनी डैमेज होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए आप सर्दी हो या गर्मी सही मात्रा में पानी जरुर पिएं।

### ज्यादा पानी पीना हानिकारक

कम पानी पीना हानिकारक है वैसे ही अधिक से ज्यादा पानी पीना भी खतरनाक हो सकता है। बता दें कि, नेशनल किडनी फाउंडेशन के मुताबिक रोजाना आठ गिलास पानी पीने के नियम सभी पर लागू नहीं होते है।

क्योंकि सभी के शरीर अलग है, हेल्थ कंडीशंस भी अलग है इसलिए रोजाना कितनी मात्रा में पानी पीना है, ये कई फैक्टर जैसे - व्यक्ति की उम्र, मौसम, फिजिकल एक्टिविटी लेवल पर निर्भर करता है व्यक्ति को कितना पानी पीना चाहिए।

### खड़े होकर पानी न पिएं

कभी भी खड़े होकर पानी नहीं पीना चाहिए। चाहे कितनी भी जल्दबाजी क्यों न हो, इसके साथ ही फटाफट पानी भी नहीं पीना चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक जब हम खड़े हो कर पानी पीते हैं, तो पानी बिना ठीक से फिल्टर हुए, तेजी से शरीर के निचले हिस्से की ओर बढ़ता है। इस समय पानी में मौजूद अशुद्धियां पित्ताशय की थैली में जमा होने लगता है। जिसके कारण यूटीआई इन्फेक्शन जैसी बीमारियों और किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है।

ब्यूटी / फैशन

# स्किन का कालपन दूर करेगी गाजर, ऐसे करें इसका इस्तेमाल, दमकती रहेगी त्वचा

**दिव्यांशी भदौरिया**

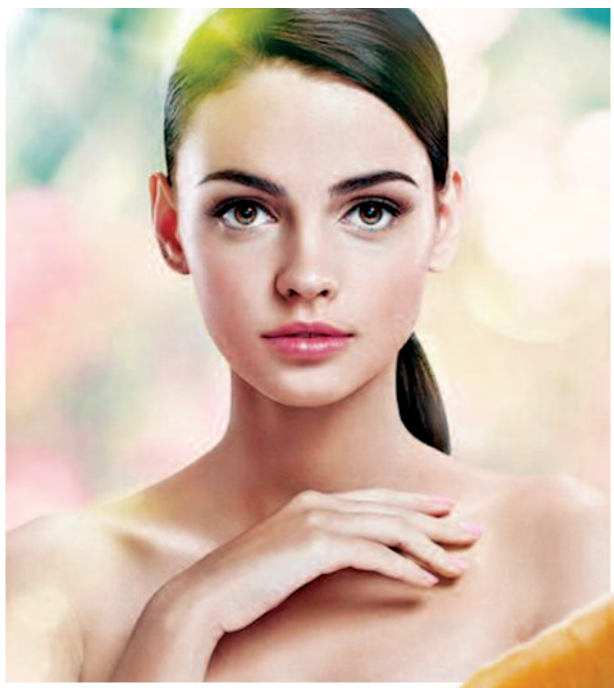

*गाजर खाना सेहत के लिए काफी हेल्दी होता है। हालांकि, आप नहीं जानते होंगे कि इसका प्रयोग स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। आइए आपक बताते हैं गाजर स्किन को कैसे चमकदार बना सकती हैं।*

सर्दियों में सबसे ज्यादा गाजर खाई जाती है। गाजर की सब्जी, हलवा और अचार सब कुछ ठंड के मौसम में खूब खाया जाता है। इसको सलाद के रुप में भी लोग खाते हैं। लेकिन आप नहीं जानते हैं कि गाजर सेहत के साथ ही स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। आइए आपको बताते हैं त्वचा पर गाजर का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। गाजर से बने हुए फेस पैक आपकी स्किन को एकदम चमका देगी।

### गाजर का पहला फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए गाजर का रस, दही और अंडे का सफेद हिस्सा चाहिए। इसको बनाने के लिए 1 चम्मच गाजर का रस लें। इस रस के लिए गाजर को कद्दकस करें और फिर इसे सूती कपड़े में रखकर अच्छे से निचोड़ लें।

इसके साथ ही दही और अंडे का सफेद हिस्सा इसमें मिला सकते हैं और एक मुलायम पेस्ट बना सकते हैं। इस पेस्ट को आप चेहरे और गर्दन पर लगा सकते हैं। इस पैक को 15 से 20 मिनट चेहरे पर लगाएं। फिर गुनगुने पानी से चेहरे को धो ले।

### दूसरा फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए गाजर, शहद और नींबू का रस चाहिए। पैक को बनाने के लिए आपको दो नरम गाजर को कुकर में पका लें। अब इसे मैश कर लें और एक चम्मच शहद और आधा नींबू का रस मिला लें। फिर इसे पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ देर के लिए सूखने दें। चेहरे को सूखने को दें और फिर चेहरे को गील करके सर्कुलर मोशन में मसाज करते हुए मास्क को हटाएं। फिर बाद में मॉइस्चराइजर लगा लें।

पर्यटन

# महाकुंभ 2025 में जाने वाले यात्रियों को यदि हो रही हैं परेशानियां तो इन बातों का रखें खास ख्याल

> महाकुंभ 2025 कुंभ का पहला शाही स्नान कल यानी के मकर संक्रांति पर था। 14 जनवरी को शाही स्नान में लगभग 3.50 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई है। अगर आप भी महाकुंभ में स्नान करने के लिए प्लान बना रहे हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान।

**दिव्यांशी भदौरिया**

144 वर्ष बाद महाकुंभ का मेला प्रयागराज में चल रहा है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति का शाही स्नान श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई है। दोनों दिनों को मिलकर कुल 5.15 करोड़ लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में सुरक्षा और सुविधाओं के अच्छे इंतजाम किए गए हैं। हालांकि, इसके बाद भी कई ऐसी चीजें हैं, जिसकी वजह से यात्रियों को परेशानी हो रही है। यदि आप महाकुंभ जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको इन बातों का ध्यान रखना काफी जरुरी है।

### महाकुंभ 2025 में यात्रियों को कैसी परेशानी हो रही है

- महाकुंभ में स्नान के लिए जा रहे हैं, तो यह लोग ध्यान रखें कि घाटों तक कोई भी वाहन जाने की अनुमति नहीं दी गई है। अपनी कार हो या बस, हर एक वाहन को संगम स्थल से लगभग 5 से 10 किमी दूरी पर रोक दिया जा रहा है। जिससे यात्रियों को काफी लंबा चलना पड़ रहा है।
- ठंड ज्यादा होने के कारण जो लोग अपने परिवार के साथ आ रहे हैं, वो लोग अपने साथ एक्स्ट्रा कपड़े लेकर आ रहे हैं। कपड़ों से अधिक बैग होने के कारण लोगों का इतना सामान उठाकर लंबा चलने में परेशानी हो रही है।
- इस बात का ध्यान रखें कि संगल स्थल तक ऑटो या रिक्शा ले जाने की अनुमति नहीं है। जिससे बुजुर्गों और बच्चों को लंबा पैदल यात्रा करने में दिक्कत हो रही है।
- अत्यधिक भीड़ होने के कारण लोगों को सार्वजनिक टेंट में लोगों को जगह नहीं मिल रही है। जिन लोगों के पास बजट ज्यादा नहीं है। ऐसे में लोगों को पूरी रात खुले आसमान के नीचे ठंड में बिता रहे हैं।
- महाकुंभ में भीड़ अधिक होने के कारण कई लोग अपनों से बिछड़ रहे हैं। घंटों तक वह अपनों की तलाश में घूम रहे हैं। अनाउंसमेंट होने के बाद भी खोजना काफी मुश्किल हो रहा है। इसलिए आप अपने परिवार के साथ ही रहें और अगर गुम होते हैं, तो उन्हें एक जगह के बारे में बता दें कि वहीं आकर मिलें।
- महाकुंभ में सामान चोरी होने की वजह से लोग परेशान है। जो लोग अकेले यात्रा करने गए है, वह घाट पर स्नान करने जाते हैं तो कपड़े और सामान कहीं रखते हैं, तो वह चोरी हो जाते हैं।
- एक घाट से दूसरे घाट पर जाने के लिए लोगों का साधन मिलने में मुश्किल हो रही है।
- महाकुंभ में स्टॉल लगाना काफी मुश्किल है और लोगों के लिए आसान नहीं है। क्यों कि स्टॉल लगाने के प्राइस लाखों में है। (साभार)

घरेलू नुस्खे

# स्वाद और हेल्थ में एकदम परफेक्ट हैं मोरिंगा के लड्डू

*अगर आप भी सर्दियों में अपनी हेल्थ और फिटनेस को बेहतरीन बनाना चाहते हैं, तो आप भी बढ़िया रेसिपी की खोज में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। मोरिंगा के लड्डू आप ने शायद ही खाएं होंगे। सर्दियों में अपनी फिटनेस को जबरदस्त बनाने के लिए आप घर में आसान तरीके से मोरिंगा के लड्डू बना सकते हैं।*

**दिव्यांशी भदौरिया**

मोरिंगा सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद होता है। मोरिंगा लीव्स में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके सेवन से शरीर दुरुस्त बनता है। मोरिंगा सर्दियों मे इम्यूनिटी बढ़ाने से लेकर हड्डियों को मजबूत करने, त्वचा और बालों को पोषण भी देता है। इस लेख में हम आपको मोरिंगा के लड्डू की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो सेहत के लिए काफी हेल्थी है। आइए आपको बताते हैं मोरिंगा के लड्डू की रेसिपी।

### मोरिंगा के लड्डू के लिए सामग्री

- 2 कप मोरिंगा के पत्तों का पाउडर
- 1 कप नारियल कसा हुआ
- 1 कप मेवे
- 1/2 कप खजूर
- 4 बड़ा चम्मच शहद
- 1/2 कप सूरजमुखी के बीज
- 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- घी

### मोरिंगा लड्डू कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन लें और मीडियम आंच पर रखें। इसमें कसा हुआ नारियल डालें और सुनहरा भूरा और खुशबूदार होने तक भून लीजिए।
- जलने से बचाने के लिए इसे लगातार चलाते रहें। जब यह भून जाएं तो इसे एक तरफ रख दें।
- सूरजमुखी के बीजों को भी ऐसे ही भून लें।
- इसके बाद बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश, पिस्ता आदि ड्राई फ्रूट लें और उन्हें बारीक काट लें। इनको आप ब्लेंडर में पीसकर बारीक पाउडर भी बना लें।
- अब ब्लेंडर में धुले हुए खजूर डालें, लेकिन इनके बीज निकाल दें। तब तक ब्लेंड करें। जब तक यह चिपचिपा पेस्ट न हो जाए।
- एक बड़ा कटोरा लें और उसमें मोरिंगा के पत्तों का पाउडर, भुना हुआ नारियल, मूंगफली, खजूर का पेस्ट, शहद, सूरजमुखी के बीज और इलायची पाउडर मिलाएं। तब तक मिलाएं जब तक सभी सामग्री अच्छी तरह से मिल न जाएं।
- इसके बाद हाथों पर घी लगाकर चिकना कर लें ताकि वे चिपके नहीं और मोरिंगा लड्डू मिश्रण का एक छोटा हिस्सा लें। इसे हथेलियों के बीच में रोल करें और इसे चिकने लड्डू का आकार दें।
- अब मोरिंगा लड्डू को कम से कम 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें और आपका लड्डू बनकर तैयार है।

# प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदनगर में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदनगर में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 100 दिवसीय संघन टीबी अभियान कार्यक्रम में उपस्थित रहीं कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी लक्षण वाले टीबी मरीजों के एक्सरे कराया गया जिसमें सभी लाभार्थियों के एक्सरे मुक्त किए गए ।

विधायक डॉ मंजू शिवाच ने बताया कि समस्त सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रो पर उच्च जोखिम वाली जनसंख्या जैसे 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, पुराने टीबी रोगी, टीबी रोगी के साथ रहने वाले व्यक्ति, मधुमेह एचआईवी से ग्रसित व्यक्ति, तंबाकू आदि नशा का सेवन करने वाले व्यक्तियों की टीबी स्क्रीनिंग की जायगी ।

विधायक डॉ मंजू शिवाच ने बताया कि निःक्षय पोषण योजना के अंतर्गत समस्त चिन्हित एवं उपचारित क्षय रोगियों को उपचार प्रारंभ होने पर 3000 रुपए तथा उपचार के 84 दिन बाद 3000 रुपए का भुगतान किया जाएगा।

कार्यक्रम में डॉ भारत भूषण, डॉ जतिन, संजीव कौशिक, रश्मि (एनम), रोहित तोमर (मण्डल अध्यक्ष), पुनीत, सतपाल, दिनेश सैनी, सचिन आदि उपस्थित रहे ।

# मुल्तानीमल मोदी कॉलेज के दस एनएनएस छात्रों का छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम में चयन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** मुल्तानीमल मोदी कॉलेज, मोदीनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के 10 स्वयंसेवकों का छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के द्वितीय चरण के लिए चयनित किया गया। इस समूह का नेतृत्व मुकुल शर्मा और शुभम ने किया। कार्यक्रम के तहत सभी स्वयंसेवकों को मोदीनगर पुलिस स्टेशन भेजा गया, जहां उनकी बैठक सहायक निर्देशक कर्णवीर सिंह और आरक्षी विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ हुई।

इस बैठक में आगामी 30 दिनों के कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई और पुलिस विभाग की चुनौतियों तथा उनकी कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पुलिस प्रशासन की गहराई से जानकारी प्रदान करना, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका को समझना और समुदाय के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

यह अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान और सामाजिक जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से समझने का अवसर प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अमर सिंह कश्यप और प्राचार्य डॉ दीपक अग्रवाल ने इस कार्यक्रम को छात्रों के लिए एक अनूठा अवसर बताया, जहां वे पुलिस प्रशासन के कार्यों को करीब से समझकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित होंगे।

# अंजली यादव हत्याकांड के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई को सौंपा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** आज दिनांक 15/1/2025 को शहर मोदीनगर जिला गाजियाबाद के विभिन्न हिंदू संगठनों व हिंदू समाज के लोगों द्वारा नाबालिक हिंदू लड़की अंजली यादव हत्याकांड के आरोपियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई कराने के लिए थाना मोदीनगर पर एकत्रित हुए तथा एसीपी ज्ञान प्रकाश राय व मोदीनगर थाना प्रभारी प्रशांत त्यागी को ज्ञापन देते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की, इस पर एसीपी मोदीनगर व थाना प्रभारी मोदीनगर द्वारा साहिल खान व अरमान खान पर नये साक्ष्यों के आधार पर कडी कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसमें मुख्य रूप से डा रुपेश पूनिया, संजय चौधरी,सुरेन्द्र चौधरी,उषा चौधरी, परविंदर चौधरी,दीपक चौधरी,अनिल चौधरी, ममता सहगल,अरुण कुमार सत्येंद्र चौधरी, कविता चौधरी, नवीन जैन, महेश तायल, पंकज कंसल,धीरेन्द्र शर्मा व विभिन्न हिन्दू संगठनों व भूतपूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारी एकत्रित हुए।

# एन एस एस ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत जागरूकता रैली निकाली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** गिन्नी देवी मोदी महिला महाविद्यालय में 17 से 23 जनवरी के मध्य चलने वाले सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा के निर्देशन में सड़क सुरक्षा से संबंधित एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा से संबंधित नारा लगाते हुए रैली निकाली। प्राचार्या पूनम शर्मा ने छात्राओं को ट्रैफिक नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए रैली का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई बी की कार्यक्रम अधिकारी शालू तिवारी एवं इकाई सी की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती राखी शर्मा द्वारा किया गया। रैली को सफल बनाने में डॉक्टर आशा बंसल डॉ सरिता जैन ऐश्वर्या आदि शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

# आईटीएस डेंटल कॉलेज में एस्थेटिक डेन्टिस्ट्री पर कॉम्प्रेहेन्सिव कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मुरादनगर।** आई0टी0एस डेंटल कॉलेज के कंजर्वेटिव डेन्टिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स विभाग द्वारा एस्थेटिक डेन्टिस्ट्री पर कॉम्प्रेहेन्सिव कोर्स के पहले मॉड्यूल का आयोजन किया गया। एस्थेटिक डेन्टिस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया और शोफू इंडिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। गेस्ट स्पीकर एस्थेटिक्स डेन्टिस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव व आईएसीडीई के मानद महासचिव डॉ मोहन कुमार, और जनरल ऑफ कंजर्वेटिव डेन्टिस्ट्री के एडिटर एंड चीफ व कंजर्वेटिव डेन्टिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स विभाग, मुंबई के एचओडी डॉ शिशिर सिंह ने प्रतिभागियों को को व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, प्रदर्षन और व्यावहारिक अभ्यास के संयोजन के माध्यम से गहन ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान किया। व्याख्यान में मुख्य रूप से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लिबास, कोण निर्माण तकनीक और परिष्करण और पॉलिशिंग विधियां शामिल थे।

तकनीकी कौशल के अलावा कार्यक्रम में मरीजों और दंत प्रयोगशालाओं के साथ संचारे कौशल बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि प्रतिभागी पेशेवर बातचीत का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकें। दोनों वक्ताओं ने कॉम्प्रेहेन्सिव कोर्स के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया। वहीं ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

# मोदीनगर निवासी नितिन शर्मा बने प्रशासनिक अधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** नगर निवासी नितिन शर्मा राज्य कर विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए है। जिसके विषय में जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन, लखनऊ के प्रान्तीय को चेयरमैन वर्कशॉप कमेटी एडवोकेट अरूण राघव ने बताया कि राज्य कर कार्यालय मोदीनगर मे कार्यरत नितिन शर्मा को राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए पदोन्नत कर प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया है।

सूचना मिलते ही नितिन शर्मा को बधाई देने वालो का तांता लग गया। इस उपलब्धि से उत्साहित नितिन शर्मा ने बताया कि यह पदोन्नति उनके माता पिता व गुरू के आशिर्वाद का प्रतिफल है। बधाई देने वालो मे मुख्य रूप से एड0 अरूण राघव, एड0 विपिन सिंघल, एड0 धीरज गोयल, एड0 आरिफ बेग, एड0 अजय माहेश्वरी, एड0 कुमोद माहेश्वरी, एड0 सुनील माहेश्वरी सहित दर्जनो अधिवक्ता शामिल रहे।

# दो पहिया वाहन पर अपने सर की सलामती के लिए हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें: डॉ एस सी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वा कांक्षी जागरूकता कार्यक्रम सड़क सुरक्षा ओर यातायात माह के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मेंद्र शर्मा व सह जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश पांडे के निर्देशन में डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के छात्रों और शिक्षकों ने यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा नियमों के अपनाने की शपथ ली और छात्रों ने यातायात और सड़क सुरक्षा के विभिन्न चिन्ह और नियमों के ऊपर एक पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया उल्लेखनीय है कि विद्यालय में एक जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा यातायात माह के अंतर्गत प्रतिदिन प्रार्थना स्थल पर छात्रों और शिक्षकों द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों को स्वयं अपने और दूसरों को जागरूक करने के लिए शपथ ली जा रही है व प्रार्थना स्थल पर छात्रों को प्रतिदिन जागरूक किया जा रहा है सड़क सुरक्षा के स्वर्णिम 10 नियम छात्रों को बताए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि अनियंत्रित जेबा क्रॉसिंग पर पहले पैदल यात्रियों को सड़क पार करने दें यह उनका हक है चार पहिया वाहन में यात्रा के दौरान सीट बेल्ट का प्रयोग

दुर्घटना के दौरान मौत की संभावना को 60 प्रतिशत तक कम कर देता है, इसी प्रकार दुपहिया वाहन पर अपने सर की सलामती के लिए उच्च गुणवत्ता वाला हेलमेट सर की भारी चोटों की संभावना को 70 प्रतिशत तक घटा देता है शराब पीकर किसी भी परिस्थिति में वाहन नहीं चलाना चाहिए। छात्रों द्वारा अपने पोस्टर स्लोगनों के द्वारा समाज को जागरूक करने का उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा का तुम रखो ध्यान, दुर्घटना में न जाए किसी की जान ।आज सड़क पर गाड़ियों की संख्या में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है ऐसे में सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी हम सबको होनी बहुत आवश्यक है। विद्यालय की प्रवक्ता, वर्षा रानी के निर्देशन में अपनी चित्रकला के माध्यम से छात्रों ने ड्राइविंग के वक्त मोबाइल का प्रयोग न करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। छात्रों के साथ-साथ उनके माता-पिता एवं अभिभावकों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एस सी अग्रवाल जी ने सभी प्रतिभागी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में कई लोगों की असामयिक मौत हो जाती है। सड़क पर वाहन चलाते समय एवं चलते समय यातायात के नियमों का अनुपालन हम सबको करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, राजकुमार सिंह, टी पी सिंह , दिनेश कुमार ,वर्षा रानी, प्रवीण जेनर, राजीव सिंह, राजीव जांगिड़ ,राजीव वर्मा, गौरव त्यागी आदि ने पोस्टर प्रतियोगिता में सक्रिय सहयोग किया शपथ में दोनों पालियों के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

# वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** आरोह फाउंडेशन और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के तत्वावधान में ग्राम खुर्रामपुर में वित्तीय साक्षरता कैंप कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे बैंक ऑफ महाराष्ट्र मैनेजर धनंजय यादव व संजय शर्मा और आरोह फाउंडेशन से डिस्टिक कोऑर्डिनेटर (डीसी) अनिल शर्मा जी, सीएफएल सेंटर मुरादनगर से फाइनेंशियल काउंसलर रविंद्र सिंह नागर असिस्टेंट फाइनेंशियल काउंसलर भारद्वाज व शुभम त्यागी रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत खुर्रामपुर के ग्राम प्रधान विनोद व समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। अपरोक्ष कैंप कार्यक्रम में साइबर अपराध और बैंक से संबंधित स्कीम की जानकारी रविंद्र सिंह नागर के द्वारा दी गई जिसमें सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना,सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, जनधन खाते इत्यादि जानकारी प्रदान की गई जिसमें खुर्रामपुर के एक व्यक्ति को जीवन ज्योति योजना का लाभ प्राप्त करवाया गया जिसमें बैंक आफ महाराष्ट्र के बैंक मैनेजर धनंजय और अनिल शर्मा जी व सीएफएल सेंटर इंचार्ज रविंद्र सिंह नागर के द्वारा लाभ प्रदान कराया गया और कैंप में उपस्थित सभी व्यक्तियों के समक्ष मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान विनोद बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मैनेजर धनंजय यादव जी और डीसी अनिल शर्मा व रविंद्र सिंह के द्वारा लाभार्थी रेनू को दो लाख 2,00,000 रुपये -का चेक प्रदान किया जिसका लाभार्थियों और समस्त ग्राम वासियों ने आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद् दिया।

# श्री वैश्य कुटुम्ब व लांयस क्लब मोदीनगर राईजिंग स्टार ने किया भंडारा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** श्री वैश्य कुटुम्ब व लांयस क्लब मोदीनगर राईजिंग स्टार ने संयुक्त रूप से खिचडी प्रसाद वितरण का आयोजन गिन्नी देवी महिला स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय के बराबर मे नवीन मोबाइल जोन के बाहर किया। श्री वैश्य कुटुम्ब सेवा समीति रजि. की संरक्षिका व शहर की प्रमुख समाजसेवी डा. पूनम गर्ग ने प्रसाद वितरण का शुभारम्भ किया।

शहर नगर अध्यक्ष राधिका गुप्ता ने पटका पहनाकर उनका स्वागत किया व प्रदेश चेयरमैन वर्षा गुप्ता ने डा. पूनम गर्ग को एक पौधा देकर सम्मानित किया। दोनो संस्थाओ की सहयोगी सखियो ने इस कार्यक्रम मे बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया लगभग1800लोगो ने खिचडी प्रसाद व चाय प्रसाद लिया। प्रदेश चेयरमैन वर्षा गुप्ता ने बताया कि यह नवनियुक्त शहर अध्यक्ष राधिका गुप्ता की अध्यक्षता मे हुआ प्रथम सेवा कार्य है उन्होने राधिका गुप्ता पर विश्वास दिखाया कि भविष्य मे भी वे संगठन को जोडकर व एक जुटता दिखाकर चलेगी तथा पद का सम्मान रखेगी। प्रदेश महिला वरिष्ठ प्रचार मंत्री शानु अग्रवाल, मण्डल महामंत्री एकता अग्रवाल ने नवीन मोबाइल प्रतिष्ठान के बन्धु नवीन गुप्ता का आभार व्यक्त

किया जिनके सहयोग से ये कार्य निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला महामंत्री शालिनी गोयल,, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूनम गर्ग व पूजा सिंघल,प्रदेश मीडिया प्रभारी रीतू अग्रवाल,नगर मंत्री रूबी गुप्ता व संगठन मंत्री कविता गोयल के साथ कुटुम्ब की सखियाँ रश्मि, शालू, सबिता,नीरू, शिवानी,बीना, प्रिंयका, भावना, नूति, विभा, आशा, पूनम बंसल, शालिनी, रीता, नैना, ऊषा, रेखा, अर्चना, अंजलि, रेनु, एकता, दीपाली, सोनाक्षी,डा. रिचा, रूचि,चीनू आदि सखियाँ उपस्थित रही। नगर अध्यक्ष राधिका गुप्ता ने अपने कुटुम्ब की सभी सखियों का आभार व्यक्त किया तथा आशा जतलायी कि भविष्य मे भी प्रदेश,मण्डल व जिला की पदाधिकारियों के साथ शहर की सखियाँ भी उनका साथ हमेशा निभायेगी।

# पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में सीएमडी के पूर्व छात्रों ने साझा किये अनुभव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** (सीएमडी) सेंटर फॉर मैनेजमेंट डेव्लपमेंट (सीएमडी) कॉलेज में दिन रविवार को पीजीडीएम के सन 1990-92 के छात्रों के लिए री यूनियन प्रोग्राम आयोजित किया गया इस मोके पर 32 साल बाद देश विदेश से पहुचे पूर्व छात्र कॉलेज को देख कर पुरानी यादों मे खो गए ।सीएमडी के पूर्व छात्र जो की वर्तमान समय मे कॉपोर्रेट मे उच्च पदो पर आसीन है, वर्तमान छात्रो से अपने 32 वर्षो के अर्जित ज्ञान और अनुभव को साझा किया।

पूर्व छात्रो ने वर्षो पूर्व की स्मतीयों ताजा करने के लिए अपनी कक्षाओ एव छात्रावास का भ्रमण किया । संस्थान के चेयरमेन डॉ डी के मोदी ने सभी छात्रो को आशिर्वाद देते हुए स्मर्ती चिन्ह भेट किए । इस शुभ अवशर पर सस्थान के उप चेयरमेन कैप्टन राजीव सक्सेना, कार्यकारी निदेशक डॉ दीपांकर शर्मा, सस्थान के निदेशक डॉ रवीन्द्र आर्य, प्लेसमेंट अधिकारी श्री अजय,एड्मिशन हैड श्री सुधांशु एवं सभी अध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इवैंट कोर्डिनेटर दिव्या वत्स एवं डॉ पल्लवी त्यागी ने किया।